मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 15 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख कृष्ण 13 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 210 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ मुद्रा महाठगनी, इसके रूप अनेक!

पर्सनैलिटी ही मेरे लिए फैशन = सहर बंबा 6

सारंडा के जंगलों में मिसिर बेसरा के दस्ते और सुरक्षा बलों में मुठभेड़, रुक-रुक हो रही गोलीबारी

संवाददाता

चाईबासा । सारंडा जंगल में बुधवार को एक बार फिर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। यह मुठभेड़ कुख्यात इनामी माओवादी नेता मिसिर बेसरा के दस्ते के साथ हो रही है। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बल इलाके में लंबे समय से चल रहे सर्च ऑपरेशन के तहत जंगल में तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान नक्सली अचानक सामने आ गए और उन्होंने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस गोलीबारी के बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की।

कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर की संयुक्त कार्रवाई

मौके पर सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस बल के जवान मौजूद हैं। ये सभी यूनिट्स नक्सल विरोधी ऑपरेशन में विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षाबलों को खुफिया सूचना मिली थी कि कुख्यात नक्सली कमांडर मिसिर बेसरा अपने दस्ते के साथ सारंडा के जंगलों में सक्रिय है। इसी सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन तेज किया गया था।

कैंप शिफ्ट कर रहे नक्सलियों से टकराव : बताया जा रहा है कि मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब नक्सली जंगल के अंदर अपने ठिकाने को बदल रहे थे। इसी दौरान सुरक्षाबलों की टीम वहां पहुंच गई और दोनों का आमना-सामना हो गया। पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए उन्हें घेरने की कोशिश की।

कई नक्सलियों के मारे जाने की आशंका, पुष्टि नहीं : सूत्रों के अनुसार, इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक किसी भी नक्सली का शव बरामद नहीं हुआ है और न ही सर्च ऑपरेशन में जुटे सुरक्षा बलों के अधिकारियों की ओर से इसकी पुष्टि ही की गई है। जंगल का घना इलाका और लगातार फायरिंग के कारण सुरक्षाबलों को सटीक स्थिति का आकलन करने में समय लग रहा है।

इलाके में हाई अलर्ट, ऑपरेशन जारी : फिलहाल पूरे इलाके को घेर लिया गया है और अतिरिक्त बलों को भी तैनात कर दिया गया है। सुरक्षाबल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं, ताकि नक्सलियों को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक इलाके को पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं कर दिया जाता।

बीच-बीच में फायरिंग कर रहे नक्सली: एसपी जिले के एसपी अमित रेणू ने बताया कि कोबरा जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। नक्सलियों की ओर से बीच-बीच में फायरिंग हो रही है, जिसका सुरक्षा बल सतर्कता के साथ जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और ऑपरेशन खत्म होने के बाद ही विस्तृत जानकारी सामने आ पाएगी। फिलहाल पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और सुरक्षा बलों द्वारा सघन सर्च अभियान जारी है।

झारखंड में बढ़ी तपिश, सरायकेला में पारा 40.6 डिग्री

पांच दिनों में तापमान में 4 डिग्री से ज्यादा उछाल

रांचीः झारखंड में गर्मी ने अब तेज रफ्तार पकड़ ली है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य के कई जिलों में तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खास तौर पर सरायकेला में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। गौरतलब है कि शुक्रवार यानी 10 अप्रैल को सरायकेला में अधिकतम तापमान 36 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। महज पांच दिनों के भीतर तापमान में 4 डिग्री से ज्यादा की बढ़ोतरी ने लोगों को भीषण गर्मी का एहसास कराना शुरू कर दिया है।

डाल्टनगंज का पारा 40 डिग्री के करीब : राजधानी रांची की बात करें तो यहां अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 19.9 डिग्री रहा। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। डाल्टनगंज में भी गर्मी का असर साफ दिखा, जहां अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री और न्यूनतम 19.1 डिग्री दर्ज हुआ।

गर्मी के मामले में बोकारो तीसरे स्थान पर : बोकारो में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री और न्यूनतम 19.1 डिग्री रहा, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि राज्य के ज्यादातर हिस्सों में दिन का तापमान 39 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जिससे लोगों को तेज धूप और उमस का सामना करना पड़ रहा है।

गुमला का न्यूनतम पारा 15.4 डिग्री : वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे रात के समय हल्की ठंडक बनी हुई है। हालांकि दिन और रात के तापमान में अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि पिछले 24 घंटे में कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं की गई है। ऐसे में आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है। मौसम केंद्र, रांची ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से

कोडरमा में 7 साल के बच्चे का शव कुएं से बरामद

पुलिस ने बच्चे की मां और फूफा को लिया हिरासत में

संवाददाता

कोडरमाः जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत घरबरियाबर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक 7 वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या कर उसका शव कुएं में फेंक दिया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, बीती रात बच्चा अपनी मां के साथ घर में सोया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात लोग घर में घुसे और बच्चे को उठाकर ले गए और बाद में बच्चे की हत्या कर उसके शव को गांव के एक कुएं में फेंक दिया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस : सुबह जब ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो ग्रामीण काफी आक्रोशित हो गए। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे के शाव को कुएं से बाहर निकाला। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए शव को ले जाने से रोक दिया, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई।

ग्रामीणों ने घटना को लेकर परिजनों पर ही संदेह जताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बच्चे की मां और फूफा को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मौके पर एसडीपीओ अनिल कुमार, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है। इधर, घटना के बाद गांव में आक्रोश है।

बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बने सम्राट

जदयू से विजय चौधरी-बिजेंद्र यादव ने भी ली शपथ

पटना : बिहार में भारतीय जनता पार्टी पहली बार अपना मुख्यमंत्री दे चुकी। राष्ट्रीय जनता दल से होकर जनता दल यूनाइटेड के रास्ते 2017 में भाजपा में आए पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र सम्राट चौधरी को बिहार का 24वां मुख्यमंत्री चुना गया है। पहले भाजपा फिर एनडीए की विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से सम्राट के नाम पर मुहर लगी। पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने उन्हें मखाना की माला पहनाकर अपनी विरासत सौंपी। आज सुबह 10:50 बजे लोकभवन में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। उनके साथ विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव को भी शपथ दिलाई गई। दोनों जदयू कोटे से डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह, पूर्व सीएम नीतीश कुमार, बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता, एनडीए से सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

जदयू कोटे से दो डिप्टी सीएम : 2020 में जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी तो भाजपा ने दो डिप्टी सीएम दिए। इसमें रेणु देवी और तारकिशोर प्रसाद को मौका

मिला। इसके बाद दो बार फिर एनडीए सरकार का शपथ ग्रहण हुआ। इन दोनों बार डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को बनाया गया। अब चूंकि भाजपा बड़े भाई की भूमिका है, तो जदयू से दो डिप्टी सीएम होंगे। पहले चर्चा थी कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार डिप्टी सीएम बनेंगे। लेकिन, वह नहीं माने। इसलिए जदयू ने भूमिहार जाति से आने वाले विजय चौधरी और यादव जाति से आने वाले बिजेंद्र यादव को डिप्टी सीएम बनाने का फैसला लिया। दोनों नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिने जाने हैं।

अब जानिए सम्राट चौधरी ने क्या कहा? : बिहार में भाजपा विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा कि मेरे जीवन में भाजपा ने मुझे सेवा के कई अवसर दिए हैं। मैं करीब 30 वर्षों से एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा हूं, लेकिन पहले मेरे साथ कोई विचारधारा नहीं थी। मैं 2015 से भाजपा के लिए काम कर रहा हूं। तब से पार्टी ने जब जो दायित्व दिया, उसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाया। मुझे पार्टी ने कई पदों पर काम करने का मौका दिया। पार्टी ने मुझ पर भरोसा किया। जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी तो मुझे उपमुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला। 2025 में जब दोबारा ठऊअ की सरकार बनी तो मुझे गृह विभाग के मंत्री और उपमुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का अवसर मिला। आज मुझे फिर से एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, इसे मैं निभाने की पूरी कोशिश करूंगा। मैं प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन महासचिव बी.एल. संतोष, शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को आश्वस्त करता हूं कि भाजपा की विचारधारा देश को सर्वोपरि मानने और उसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के संकल्प को हम आगे बढ़ाते रहेंगे और पार्टी को प्राथमिकता देंगे। नीतीश कुमार ने बहुत सी बातें सिखाई हैं। सरकार कैसे चलाई जाती है, बिहार में सुशासन कैसे स्थापित होता है और लोकतंत्र के लिए क्या अच्छा है। प्रधानमंत्री मोदी के ह्यविकसित भारतह्ल के विजन और नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के संकल्प को साथ लेकर हम बिहार को समृद्ध बनाएंगे और देश को विकसित करने में अपना योगदान देंगे।

डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने क्या कहा? : डिप्टी सीएम बने विजय चौधरी ने कहा कि हमलोगों नीतीश कुमार के साथ रहकर बहुत कुछ सीखा है। भविष्य में भी नीतीश कुमार की कार्यशैली पर भी हमलोग काम करेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी नीतीश कुमार की विरासत को आगे बढ़ाने की बात कही है। इसलिए कहीं कोई कन्फ्यूजन नहीं है। वहीं डिप्टी सीएम बिजेंद यादव ने हमलोग साथ मिलकर बेहतर काम करेंगे।

20 करोड़ कमीशन केस : आरोपी इंजीनियर संतोष कुमार ने कोर्ट में किया सरेंडर

रांची : ग्रामीण विकास घोटाले में आरोपी कार्यपालक अभियंता संतोष कुमार ने पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश की अदालत में सरेंडर कर दिया है। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) पहले ही संतोष कुमार समेत 14 इंजीनियरों के खिलाफ प्रोसिक्यूशन कंप्लेन दाखिल कर चुका है।

20 करोड़ की कमीशन वसूली का आरोप : एऊकी जांच में संतोष कुमार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी के मुताबिक, वे कमीशन वसूली और उसके बंटवारे की पूरी चेन का हिस्सा थे। आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव कुमार लाल के निर्देश पर करीब 20 करोड़ रुपये की वसूली की।

जांच में बदला बयान : सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दूसरे दौर में संतोष कुमार अपने पहले दिए गए बयान से मुकर गए थे, जिससे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इसी के बाद एऊ ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज कर दी।

मामले में जांच जारी : ग्रामीण विकास घोटाले में एऊलगातार जांच कर रही है और कई इंजीनियरों को इसके दायरे में लाया गया है। प्रोसिक्यूशन कंप्लेन दाखिल होने के बाद अब कोर्ट में सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

धनबाद के गैस प्रभावित इलाके में धंसी जमीन, सड़क बंद कर ट्रैफिक डायवर्ट

धनबाद : जिले के केंदुआडीह कोलियरी क्षेत्र में बुधवार को बड़ा खतरा टल गया, जब ओल्ड जीएम बंगला के पास केंदुआ मुख्य मार्ग पर कई जगह करीब डेढ़ फीट तक जमीन धंस गई। यह इलाका पहले से गैस प्रभावित है, ऐसे में भू-धसान का खतरा और बढ़ गया है। हालांकि इस घटना में किसी तरह की जान-माल की क्षति नहीं हुई है।

सुरक्षा के लिए रास्ता डायवर्ट : घटना के बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए धंसे हुए हिस्से को बैरिकेडिंग कर दिया और मुख्य मार्ग पर आवागमन रोक दिया। फिलहाल ट्रैफिक को पुराना थाना मार्ग की ओर डायवर्ट किया गया है।

बीसीसीएल प्रबंधन ने लिया जायजा : घटना की सूचना मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन मौके पर पहुंचा और स्थिति का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि यह क्षेत्र पहले से ही भू-धसान और अग्नि प्रभावित घोषित है। प्रबंधन अब यह आकलन कर रहा है कि सड़क की दरार के दायरे में आने वाले घरों पर कितना खतरा है। साथ ही गैस प्रभावित इलाके में रहने वाले कई परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की तैयारी भी चल रही है।

स्थानीय लोगों में नाराजगी : घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि बीसीसीएल पिछले कई महीनों से गैस समस्या को लेकर काम कर रहा है, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकला है। लोगों ने चेतावनी दी है कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बड़ा हादसा हो सकता है।

अधिकारियों का बयान : पीबी एरिया के जीएम जीसी साहा ने बताया कि जमीन के नीचे पुरानी गैलरी है, जिसका पिलर आग की वजह से कमजोर हो गया है। इससे जमीन धंसने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और प्रशासन को भी पूरी जानकारी दे दी गई है।

फारस की खाड़ी से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में नौसेना का अहम रोल : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना ने फारस की खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में नौसेना के युद्धपोतों की तैनाती ने भारतीय नाविकों और समुद्री व्यापार को सुरक्षा का भरोसा दिया है। यह जानकारी स्वयं नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने दी। उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और उसके कारण समुद्री यातायात पर पड़ने वाले प्रभावों को गंभीर चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सुरक्षा आपस में जुड़ी हुई, यह एक निरंतर और कठोर वास्तविकता बन चुकी है। यहां किसी संघर्ष की भौगोलिक दूरी उसके प्रभाव से दूरी नहीं दशार्ती। इसके साथ ही भारतीय नौसेना की क्षमता का जिक्र करते हुए नौसेना प्रमुख ने बताया कि इस वर्ष 15 से

अधिक स्वदेशी प्लेटफॉर्म को नौसेना में शामिल करने की योजना है। गौरतलब है कि दिल्ली में भारतीय नौसेना के टॉप कमांडर की एक महत्वपूर्ण कांफ्रेंस चल रही है। नौसेना प्रमुख ने यहां कमांडर्स कांफ्रेंस में यह बात कही। यहां एडमिरल त्रिपाठी ने वैश्विक शक्ति संतुलन में तेजी से आए बदलावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीते पांच वर्षों में दुनिया प्रतिस्पर्धा के दौर से निकलकर संघर्ष के दौर में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि इन युद्धों में आर्थिक दबाव, तकनीकी बढ़त और ह्यनैरेटिव वारफेयरह्ल जैसी अवधारणाएं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। भारतीय नौसेना के कमांडर्स की यह कांफ्रेंस में 14 से शुरू हुई है। इस कमांडर्स कांफ्रेंस में नौसेना प्रमुख के अलावा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी शामिल हुए। यहां नौसेना के कमांडर्स मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में समुद्री सुरक्षा, ऑपरेशनल तैयारियों और राष्ट्रीय हितों के लिए रणनीतिक तय कर रहे हैं। इसमें नौसेना का शीर्ष नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। नौसेना प्रमुख ने समुद्री सुरक्षा पर बढ़ते दबावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा समुद्री क्षेत्र अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण बना दिया गया है। इसके पीछे एक साथ कई संघर्ष, विरोधी देशों की बढ़ती क्षमताएं, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कमजोर होती भूमिका एक बड़ा कारण है। इसके अलावा गैर-राज्य तत्वों के लिए हथियारों की आसान उपलब्धता ने भी समुद्री क्षेत्र को चुनौतीपूर्ण बनाया है। ऐसे परिदृश्य में भारतीय नौसेना को हर दिन एक प्रतिस्पर्धी और संवेदनशील माहौल में काम करना पड़ रहा है। नौसेना प्रमुख ने भारतीय नौसेना की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि बीते वर्षों में नौसेना ने अपनी युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सतह, पनडुब्बी और वायु क्षेत्रों में लगातार आधुनिकीकरण किया गया है। नौसेना ने मजबूत रखरखाव प्रणाली और बुनियादी ढांचे का विकास किया है। इन उपलब्धियों ने नौसेना को एक ह्यकॉम्बैट-रेडी यानी युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और फ्यूचर-रेडीह्ल फोर्स बनाया है। उन्होंने बताया कि नौसेना ने अपने कुल बजट का शत-प्रतिशत उपयोग किया है। 90 से अधिक पूंजीगत अनुबंध पूरे किए गए हैं। नौसेना प्रमुख ने यह भी बताया कि ह्यआईएनएसवी कौंडिन्यह्ल की पहली यात्रा, मैरीटाइम महाकुंभ, आईएफआर, मिलन और आयओएनएस जैसे बहुपक्षीय आयोजनों ने भारत की समुद्री साख को और मजबूत किया है। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना में मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण, चिकित्सा सुविधाओं, कल्याण और खेलों में किए गए सुधारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों ने नौसेना के भीतर विश्वास, एकजुटता और मनोबल को मजबूत किया है। कमांडर्स कांफ्रेंस के दौरान संयुक्त संचालन, क्षमता विकास, रखरखाव, बहु-क्षेत्रीय सुरक्षा, प्रशिक्षण, विदेशी सहयोग, मानव संसाधन और स्वदेशीकरण जैसे प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भी नौसेना कमांडरों को संबोधित करते हुए बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और युद्ध के बदलते स्वरूप के अनुरूप तैयारी करने पर बल दिया।

खूंटी में शिव भक्ति का महापर्व मंडा पूजा शुरू, एकादशी से आरंभ हुआ कठिन अनुष्ठान

संवाददाता

खूंटी : जिले में भगवान शिव की आराधना और कठोर तपस्या का प्रतीक ह्यमंडा पूजाह्ल आज एकादशी के शुभ अवसर पर विधिवत शुरू हो गया। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने और ह्यलोटनह्ल अनुष्ठान के साथ इस महापावन पूजा का आगाज हुआ। पहले ही दिन 49 भगतियों जिन्हें भोक्ता भी कहा जाता है, उन्होंने लोटन करते हुए इस कठिन साधना में भाग लिया। यह पारंपरिक शिव उपासना का पर्व पूरे खूंटी क्षेत्र में विशेष श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है।

सप्ताह भर चलने वाले इस अनुष्ठान में जिले के विभिन्न गांवों से सैकड़ों की संख्या में भगतीया शामिल होते हैं। स्थानीय परंपरा के अनुसार मंडा पूजा की शुरूआत एकादशी से होती है और इसका समापन अक्षय तृतीया के दिन पाट पूजा और झूलन के साथ किया जाता है।

इस दौरान भगतीया अत्यंत कठिन और तपस्वी जीवन शैली अपनाते हैं। वे पूरे अनुष्ठान काल में शिव मंदिर को ही अपना निवास बनाते हैं और जमीन पर ही विश्राम करते हैं। दिनभर पूजा-अर्चना और साधना में लीन रहने वाले ये भक्त दिन में केवल एक बार ही साधारण भोजन–गुड़, चना दाल और फल–ग्रहण करते हैं। मंडा पूजा की खास पहचान इसके कठोर अनुष्ठान हैं। इसमें ह्यलोटनह्ल, ह्यधुआसीह्ल और ह्यफूलखुंदीह्ल जैसे कठिन धार्मिक कर्म शामिल हैं, जो श्रद्धा और सहनशक्ति की परीक्षा लेते हैं। इसके अलावा कई भगतीया 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखकर भगवान शिव की आराधना करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस कठिन तपस्या से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यही कारण है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस पूजा में भाग लेते हैं और पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान संपन्न करते हैं। मंडा पूजा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह खूंटी की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और सामूहिक श्रद्धा का भी जीवंत उदाहरण है। आने वाले दिनों में और अधिक भगतीया इस महापर्व में शामिल होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल और भी गहरा होता जा रहा है।

मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चतरा पुलिस की लगातार तीसरी बड़ी कार्रवाई

एक करोड़ का अफीम और डोडा जब्त

संवाददाता

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार तीसरे दिन भी बड़ी सफलता हासिल की है। एसपी को मिले गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध अफीम, डोडा और पोस्ता दाना बरामद किया है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि 13 अप्रैल को गुप्त सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के रिमी पंचायत स्थित खाखर गांव में कुछ लोग अपने घरों में भारी मात्रा में अवैध नशीले पदार्थ जमा कर रखे हुए हैं, जिसे वे बाहर के व्यापारियों को बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिमरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का

गठन किया गया। टीम ने गांव के अमारिक गंझू, मनोज गंझू, सरजू गंझू, मदन गंझू , विनोद गंझू और पिंटू गंझू के चिन्हित घरों में छापेमारी की, तो वहां से 8 किलो 700 ग्राम गीला अफीम, 3 क्विंटल 70 ग्राम डोडा और एक क्विंटल नौ किलो पोस्ता दाना बरामद किया। इस दौरान पुलिस के आने की भनक मिलते ही सभी तस्कर घर छोड़कर फरार हो गए। एसपी ने बताया कि जब्त की गई अफीम का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि इस मामलें में तस्कर अमारिक गंझू, मनोज गंझू, सरजू गंझू, मदन गंझू , विनोद गंझू और पिंटू गंझू के विरुद्ध लावालौंग थाना कांड संख्या 23/2026 दिनांक 14 अप्रैल 2026 के आलोक में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बाबा साहब अंबेडकर की जयंती धुमधाम से मनाई गई

संवाददाता

खलारी : केडी अंबेडकर चौक मे बाबा साहब अंबेडकर की जयंती समारोह मंगलवार को धुमधाम से समारोहपूर्वक मनाई गई इससे पूर्व कार्यक्रम के शुरूआत में उनकी प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक किया गया और बारी बारी से उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया, मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में काँके विधायक प्रतिनिधि राजन सिंह राजा उपस्थित थे उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दुस्तान का एक एक नागरिक बाबा साहब का कर्जदार है क्योंकि बाबा साहब ने ही देश के संविधान का निर्माण करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाया था साथ ही साथ आजादी से पहले भी अनेक जनांदोलनों का नेतृत्व कर समानता एवं एकता पर बल दिया था, उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए उपस्थित सभी लोगों को संकल्प दिलाया गया । इस

अवसर पर राजन सिंह राजा, साबीर अंसारी,तनवीर आलम,मोनू रजक, धीरज बहादुर ,विक्की सिंह, अशोक राम, इम्तियाज अंसारी, सुरेन्द्र चौहान,वीरेन्द्र यादव,कुमूद रंजन, रौशन लाल, सतीश ठाकुर, रवि उराँव गाँगुली, संजय राम,जावेद अंसारी, बबलू सिंह, सुधीर सिंह,टुन्नू साव, रामनाथ पासवान,इकबाल खान, मोनू सिंह, अरूण यादव, कृष्णा यादव,पंकज सिंह, भोलू सिंह, रामाकांत यादव,छोटू भुंइया, पवन सोनी, करण वर्मा, कामेश्वर शर्मा, नवीन पाठक, राहुल ठाकुर,सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

तमाड़ में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

अवैध अर्जुन लकड़ी से भरा ट्रक जब्त, तस्कर फरार

संवाददाता

खूंटी। वन प्रमंडल क्षेत्र के तमाड़ वन क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अर्जुन लकड़ी से भरा एक ट्रक जब्त किया है। यह कार्रवाई पारसी सड़क स्थित पावर हाउस के पास देर रात गुप्त सूचना के आधार पर की गई। वनरक्षी मनोज सिंह के अनुसार, सोमवार देर रात छापेमारी के लिए टीम गठित कर प्यासी सड़क पर घेराबंदी की गई थी। इसी दौरान अंदरूनी क्षेत्र से एक संदिग्ध ट्रक आता दिखाई दिया। जैसे ही चालक ने सामने वन विभाग की टीम को देखा, उसने ट्रक रोक दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

जांच के दौरान ट्रक में करीब एक लाख रुपये मूल्य की अवैध

अर्जुन लकड़ी पाई गई, जिसे जब्त कर तमाड़ वन विभाग कार्यालय लाया गया। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और तस्करों की तलाश जारी है।

गौरतलब है कि इससे लगभग पखवाड़े भर पहले भी वन विभाग की टीम ने तमाड़ चेकनाका पर एक पिकअप वैन से सखुआ लकड़ी बरामद की थी। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से क्षेत्र में अवैध लकड़ी तस्करी पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है।

इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया गया अंबेडकर जयंती

संवाददाता

चतरा : मंगलवार को दीभा स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर के विशाल सभागार में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विषय के वरीय आचार्य चंद्रमोहन मिश्र व संस्कृत विषय के वरीय आचार्य रामावतार मिश्र द्वारा भारत माता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी को बाबा साहेब की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर एक महान अर्थशास्त्री, समाज सुधारक, दूरदर्शी चिंतक, राजनेता एवं कानूनविद थे। वे भारतीय

संविधान के रचयिता थे। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब का संबंध महार जाति (दलित) से था, जिसे उस समय अछूत माना जाता था। इसके बावजूद उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया और समानता का संदेश दिया।उन्होंने यह भी बताया कि बाबा साहेब दुनिया के पहले ऐसे सत्याग्रही थे, जिन्होंने पीने के पानी के अधिकार के लिए भी सत्याग्रह किया। आज महिलाएं और लड़कियां शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं, यह बाबा साहेब के प्रयासों का ही परिणाम है। आज देश के सर्वोच्च पद पर आसीन महिला राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का होना भी उनके विचारों और संघर्ष का ही परिणाम है। उन्होंने समाज में छुआछूत, ऊंच-नीच और दकियानूसी सोच को समाप्त कर सामाजिक समरसता और समानता का भाव स्थापित किया।इस अवसर पर आचार्य रामावतार मिश्र ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

चतरा कॉलेज के बीएड विभाग में चल रहे तीन दिवसीय हार्टफुलनेस सेमिनार का हुआ समापन

संवाददाता

चतरा : चतरा कॉलेज के बीएड विभाग में विद्यार्थियों के मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु आयोजित तीन दिवसीय हार्टफूलनेस ध्यान एवं योग शिविर का विधिवत समापन हो गया। इस विशेष कार्यशाला का आयोजन विद्यार्थी में एकाग्रता बढ़ाने, तनाव प्रबंधन और नैतिक मूल्यों के विकास के उद्देश्य से किया गया था। तीन दिनों तक चले इस सेमिनार में प्रशिक्षकों द्वारा छात्रों को आधुनिक जीवन की चुनौतियों के बीच शांति बनाए रखने के गुण सिखाए गए। कार्यक्रम के अंतिम दिन की शुरूआत सामूहिक प्रार्थना और ध्यान तकनीक से हुई।

हार्टफूलनेस मेडिटेशन समापन सत्र में मुख्य प्रशिक्षकों ने हृदय पर आधारित ध्यान की पद्धति पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे केवल कुछ मिनट का ध्यान मस्तिष्क की कार्य क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है, पर शिक्षकों ने क्लीनिंग की प्रक्रिया बताई जिसमें नकारात्मक विचारों को मन से बाहर निकाला जा सकता है और अपने मन को सकारात्मक भाव से भरा जा सकता है।बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है एक शिक्षक के लिए स्वयं का मानसिक रूप से स्थिर होना अनिवार्य है।यह सेमिनार हमारे छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में मिल का पत्थर होगा।बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस तरह के शत्रु से छात्र-छात्राओं के आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है । शिविर के अंत में सभी छात्रों का कहना था कि इस तीन दिवसीय यात्रा ने उन्हें स्वयं को समझने और दैनिक जीवन के तनाव से मुक्ति पाने का एक नया दृष्टिकोण दिया है इस तीन दिवसीय सेमिनार में उपस्थित प्रोफेसर गणों में विभागाध्यक्ष डॉ नंदकिशोर सिंह,ग्लोरिया ग्रेस होरो,शोभा कुजूर,डॉ मुमताज अंसारी,प्रेम बसंत बाखला एवं अमित कुमार सिंह रहे।

समाजसेवी मदन मोहन गुप्ता का हुआ अंतिम संस्कार, सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

खूंटी : जिले के प्रख्यात समाजसेवी एवं सनातन धर्म के अग्रणी कार्यकर्ता श्रद्धेय मदन मोहन गुप्ता जी का पार्थिव शरीर आज तजना मुक्तिधाम में पूरे विधि-विधान के साथ दाह संस्कार किया गया। इस दौरान खूंटी के सैकड़ों लोग उपस्थित होकर उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

मदन मोहन गुप्ता जी का बीती रात लगभग 2 बजे चौधरी तालाब के समीप स्थित उनके आवास पर आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे खूंटी क्षेत्र और सामाजिक-धार्मिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

वे जीवनभर सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं समाज सेवा में सक्रिय रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में जिला संघ चालक, पतंजलि योगपीठ के संयोजक एवं योग शिक्षक के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, गायत्री परिवार के जिला प्रभारी एवं विहंगम योग के संरक्षक के रूप में भी उन्होंने समाज को नई दिशा दी।

राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान उन्होंने खूंटी से सनातन जत्था का नेतृत्व करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने कई बार सफलतापूर्वक दायित्व निभाया। गायत्री परिवार के शिक्षित पुरोहितों द्वारा पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। इस दौरान उनके जीवन, समाज सेवा और आध्यात्मिक योगदान को याद करते हुए लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

न्यूज IN ब्रीफ

युवा हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने मनाया अंबेडकर जयंती

रांची : आज युवा हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर), झारखंड की ओर से भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पूरे उत्साह, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। इस अवसर पर युवा प्रादेश अध्यक्ष श्री हरे कृष्ण महाराज ने समस्त देशवासियों एवं झारखंड की जनता को बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर ही हम सच्चे मायनों में देश के संविधान की मर्यादा और सम्मान को बनाए रख सकते हैं। बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समानता, न्याय और अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। उनका यह विचार कि ह्यशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोह्ल आज भी हर युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब ने हमें सिखाया कि समाज में बराबरी, भाईचारा और न्याय ही लोकतंत्र की असली ताकत है। उनका यह संदेश कि ह्यमनुष्य महान अपने कर्मों से बनता है, जन्म से नहींह्ल हमें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

युवा प्रादेश अध्यक्ष ने बाबा साहेब के कई प्रेरणादायक विचारों को याद करते हुए कहा कि–

अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है।
सामाजिक समरसता और समानता ही राष्ट्र निर्माण का आधार है।
अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही सच्ची देशभक्ति है।
शिक्षा ही समाज को बदलने का सबसे शक्तिशाली हथियार है।
लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हर वर्ग को न्याय मिलेगा।
एकता और भाईचारा ही भारत की असली पहचान है।
संविधान की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।
समान अवसर ही वास्तविक स्वतंत्रता का आधार है।
जागरूक समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है।

इस अवसर पर झारखंड प्रदेश के विभिन्न जिलों में युवा टीम द्वारा अलग-अलग तरीकों से बाबा साहेब की जयंती मनाई गई। कोडरमा में युवा नेता श्री नितीश राज ने बाबा साहेब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर अपनी टीम के साथ यह संकल्प लिया कि वे भारत के संविधान का पालन करते हुए देश सेवा करेंगे।

वहीं हजारीबाग में युवा प्रदेश संगठन सचिव श्री शमीम अख्तर ने कहा कि बाबा साहेब की नजर में हिंदू-मुस्लिम सभी एक समान थे और आगे भी एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत बनी रहेगी।

गिरिडीह में युवा नेता श्री अनिल सिंह ने कहा कि भारत की अखंडता और एकता बनाए रखने के लिए बाबा साहेब के नक्शे कदम पर चलना अत्यंत आवश्यक है।

इसी क्रम में युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री हरे कृष्ण महाराज ने बच्चों के साथ वृक्ष वितरण कर बैसाखी और बाबा साहेब की जयंती मनाई। उन्होंने कहा कि ह्यएक-एक पेड़ जहां दस लोगों को छांव देता है, वहीं बाबा साहेब के विचार लाखों लोगों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते हैंह्ल

अंत में हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के झारखंड युवा प्रकोष्ठ ने श्री हरे कृष्ण महाराज के नेतृत्व में यह संकल्प लिया कि वे देश सेवा संविधान की गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए करेंगे और बाबा साहेब के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर करते रहेंगे।

खूंटी में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

मातृ स्वास्थ्य पर दिया गया विशेष जोर

खूंटी/सेनेगुटू/सारीदकेल : राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष जांच शिविर एवं जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में एएनएम निशी रानी, मोबिलाइजर अमर नाथ, सहिया नूतन नागी सोय, सेविका सुषमा सहित कई स्वास्थ्यकर्मी, गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं को स्वास्थ्य जांच, संतुलित पोषण, स्वच्छता और सुरक्षित मातृत्व से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं उक्कके संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना तथा हर महिला तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना रहा। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण और साक्ष्य-आधारित देखभाल से मातृ मृत्यु दर में काफी कमी लाई जा सकती है। गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां लेने तथा संस्थागत प्रसव को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके अलावा, महिलाओं को प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल, पोषण और स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के हंटरगंज- प्रतापपुर मुख्य पथ पर गोपालपुर के समीप मंगलवार देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में युवक का बायां पैर टूट गया। स्थानीय राहगीरों ने इस घटना की जानकारी हंटरगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक को उठाकर एम्बुलेंस के माध्यम से हंटरगंज स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत उसे बेहतर इलाज के लिए गया जी मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि इस घटना में युवक का बायां पैर टूट गया है एवं सिर एवं हाथ में गंभीर चोट लगी है। घायल की पहचान कन्नौदी बेला निवासी सुकन मिस्त्री के 25 वर्षीय पुत्र सोहन मिस्त्री के रूप मे हुई है।दुर्घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहा। वहीं पुलिस क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लेकर थाने ले आई है। जानकारी के अनुसार युवक अपने गांव से बाइक पर सवार होकर किसी जरूरी काम को लेकर हंटरगंज की ओर आ रहा था, इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। फिलहाल चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बायां पैर टूट जाने के वजह से गया जी मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।वहीं जिप सदस्य प्रतिनिधि बेचन पासवान ने जिला प्रशासन से बेलगाम रफ्तार में सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की गति सीमा पर अंकुश लगाने को लेकर जिला प्रशासन से मांग की है। श्री पासवान ने कहा कि अगर इन बेलगाम वाहनों की रफ्तार पर लगाम नहीं लगाई गई तो आने वाले दिनों में और भी दुर्घटना हो सकती है। वहीं युवाओं से अपील की है कि जब भी आप बाइक लेकर सड़क पर निकले तो हेलमेट का प्रयोग जरूर करे।

चैंबर की बिजनेस एक्सचेंज मीटिंग बनी प्रभावी मंच, व्यापारिक सहयोग को मिल रही नई गति

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा वर्तमान सत्र में प्रारंभ की गई बिजनेस एक्सचेंज मीटिंग की श्रृंखला अब व्यापारिक सहयोग का एक प्रभावी मंच बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से सदस्यों के बीच आपसी संवाद, विश्वास एवं व्यवसायिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को चैंबर भवन में आयोजित बैठक में सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने अपने व्यवसाय की विशेषताओं एवं सेवाओं की जानकारी साझा की, जिससे पारस्परिक समझ विकसित हुई और संभावित व्यापारिक अवसरों के नए द्वार खुले। इस पहल की विशेषता यह रही कि कई सदस्यों के बीच सीधे संवाद के माध्यम से त्वरित व्यापारिक समझौते हुए, वहीं कुछ सदस्यों ने दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। पूर्व में आयोजित बैठकों के सकारात्मक अनुभवों को साझा करते हुए सदस्यों ने बताया कि इस मंच ने उनके व्यवसाय को नई गति प्रदान की है। उपाध्यक्ष राम बांगड़ ने कहा कि सभी जोनल आरवीपी के माध्यम से राज्य के सभी व्यापारियों तक बिजनेस एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पहुचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। चैंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि यह पहल सदस्यों के लिए केवल परिचय का माध्यम नहीं, बल्कि व्यावहारिक व्यापारिक अवसरों का सशक्त प्लेटफॉर्म है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह की नियमित बैठकों से स्थानीय व्यापार को मजबूती मिलेगी और सदस्यों के बीच सहयोग और अधिक बढ़ेगा ।

बोकारो लापता युवती केस में हाईकोर्ट सख्त डीएनए टेस्ट न होने पर जताई नाराजगी

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने बोकारो की 18 वर्षीय लापता युवती के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। करीब 9 महीने से लापता युवती को लेकर दाखिल हेबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी पक्ष के वकील विंसेट रोहित मार्की ने बरामद कंकाल को युवती का होने से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा कि कंकाल की स्थिति 9 महीने पुरानी नहीं लगती, बल्कि यह 2 से 3 साल पुराना प्रतीत होता है। साथ ही उन्होंने यह भी दलील दी कि कंकाल जिस स्थान से मिला, वह एक सार्वजनिक क्षेत्र है, जिससे उसकी पहचान संदिग्ध हो जाती है।

कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या कंकाल का डीएनए टेस्ट कराया गया है और क्या युवती की मां रेखा देवी के सैंपल लिए गए हैं। जब यह सामने आया कि अब तक डीएनए जांच नहीं कराई गई है, तो अदालत ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई और जांच में लापरवाही पर सवाल उठाए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने राज्य के डीजीपी, एफएसएल निदेशक, बोकारो के एसपी और पूरी रक्ळ टीम को अगले दिन सुबह 10:30 बजे अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब जांच में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गर्मी से राहत के लिए एक नई पहल शुरू

रांची: बढ़ते तापमान के बीच गर्मी से राहत के लिए एक नई पहल शुरू की गई है, जिसके तहत घरों में गर्मी कम करने के उपायों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस क्रम में बर्जर पेंट्स द्वारा ऐसे समाधान पेश किए गए हैं, जो दीवारों और छतों के जरिए आने वाली गर्मी को कम करने में सहायक माने जा रहे हैं। कंपनी के एमडी एवं सीईओ अभिजीत रॉय ने कहा कि इस तरह के उपाय लोगों को गर्मी से राहत देने में मदद कर सकते हैं और वैकल्पिक कूलिंग तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही स्माइल फाउंडेशन के सहयोग से सरकारी स्कूलों में भी तापमान कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि बच्चों को बेहतर और सुरक्षित माहौल मिल सके। कंपनी का कहना है कि इस पहल से लोगों को पारंपरिक कूलिंग साधनों पर निर्भरता कम करने का विकल्प मिलेगा और बढ़ती गर्मी के बीच यह एक उपयोगी कदम साबित हो सकता है।

मॉर्निंग वॉक के दौरान मोबाइल लेकर भागा युवक

रांची : राजधानी रांची में सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान चोरी की घटना सामने आई है। रातू रोड स्थित पंडरा थाना क्षेत्र के ओटीसी ग्राउंड में टहल रहे एक व्यक्ति का मोबाइल चोरी कर एक युवक मौके से फरार हो गया।

मॉर्निंग वॉक के दौरान वारदात : जानकारी के अनुसार, पीड़ित व्यक्ति रोज की तरह सुबह ओटीसी ग्राउंड में टहलने गया था। इसी दौरान मौका देखकर एक युवक ने उसका मोबाइल चुरा लिया और वहां से भाग निकला।

पुलिस जांच में जुटी : घटना की सूचना मिलते ही पंडरा थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है

सुबह के समय भी इस तरह की घटना होने से इलाके के लोगों में डर का माहौल है। मॉर्निंग वॉक के लिए आने वाले लोगों ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

पश्चिम बंगाल चुनाव में झारखंड के चार नेता स्टार प्रचारक में शामिल

रांची : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची भारत निर्वाचन आयोग को सौंप दी है। यह सूची पार्टी के महासचिव मुकुल वासनिक द्वारा जारी की गई। सूची में झारखंड से प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विधायक अंबा प्रसाद को शामिल किया गया है। इन नेताओं को पश्चिम बंगाल में पार्टी के पक्ष में प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस का मानना है कि इन नेताओं के अनुभव और सक्रियता से चुनावी अभियान को मजबूती मिलेगी।

कांग्रेस भवन में बाबा साहेब की जयंती मनी

रांची : रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन राजू राम के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस भवन में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। राजू राम ने कहा कि बाबा साहेब ने दलित समाज के उत्थान के लिए भरसक प्रसास किया। साथ ही समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय पर आधारित संविधान की नींव रखी। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, निरंजन पासवान, सहदेव राम, राजू राम, सुरेन राम, जगदीश साहू, सोमनाथ मुंडा, राजन वर्मा, राकेश किरण महतो लाल सूरज आदि उपस्थित थे।

अंबेडकर जयंती पर झारखंड अगेंस्ट करप्शन ने भ्रष्टाचार उन्मूलन का लिया संकल्प

रांची : प्रेस क्लब में झारखंड अगेंस्ट करप्शन द्वारा केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक सह अम्बेडकर जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष दुर्गा उरांव मुण्डा ने की, जबकि समाजसेवी डॉ कयूम अंसारी और काउंसलर अंशु माला विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक में संगठन की भूमिका और भ्रष्टाचार नियंत्रण को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष दुर्गा उरांव मुंडा ने कहा कि संगठन के माध्यम से समाज को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आम जनता को राहत दिलाने का काम जारी है। संयोजक चितरंजन कुमार ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जल्द ही पंचायत से लेकर केंद्रीय स्तर तक संगठन का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुनील पटेल, संगठन मंत्री डॉ वकील अहमद, निपू सिंह, मो अशजद, कोषाध्यक्ष सुजीत महतो, प्रवक्ता शैलेश कुमार, सदस्य रंगनाथ चौबे, असीम अख्तर, दयानंद सिंह, संतोष कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, जितेन्द्र राय, हजारीबाग जिला अध्यक्ष देवकी महतो, रामगढ़ जिला अध्यक्ष राजकुमार राय, संगठन महामंत्री रीतेश साहु, बिट्टू सिंह, जुगल किशोर, जितेन्द्र सिंह, पप्पू महतो, प्रमोद कुमार, देवेश महतो, संजय पटेल, पनेश्वर महतो, प्रवीण कुमार साहु, निरंजन ठाकुर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

रांची स्टेशन पर बड़ा हादसा टला

रांची : रांची रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी में एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान फिसलकर प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच जा गिरा। कुछ सेकंड के भीतर ही वह ट्रेन के साथ घिसटने लगा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के वक्त प्लेटफॉर्म पर मौजूद आरपीएफ कांस्टेबल गौरव ने बिना समय गंवाए तेजी से कार्रवाई की। उन्होंने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत यात्री को खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आसपास खड़े यात्रियों ने भी राहत की सांस ली और जवान की सराहना की।

धनबाद के रहने वाले हैं घायल यात्री : बचाए गए यात्री की पहचान मोहम्मद नसरुद्दीन (61 वर्ष), निवासी पाथाडीह, धनबाद के रूप में हुई है। वे ळ्रूल्ल 13320 ए७स्र१२२ से रांची से धनबाद जा रहे थे। घटना में उन्हें हल्की चोटें आईं, जिसके बाद मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया।

कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्धारे में मनाया गया खालसा सजना दिवस

18-19 अप्रैल को कीर्तन दरबार का आयोजन

संवाददाता

रांची : रातु रोड स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी के गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा में मंगलवार को खालसा साजना दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष दीवान सजाया गया, जिसकी शुरूआत सुबह हजूरी राजी जत्था भाई महिपाल सिंह जी द्वारा आसा दी वार के कीर्तन से हुई।

कीर्तन के दौरान उन्होंने ह्लखालसा मेरो रूप है खासङ्घ्ह, ह्लदेह सिवा बरु मोहि इहैङ्घ्ह और ह्लवाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेलाङ्घ्ह जैसे शबदों का गायन कर संगत को गुरबाणी से जोड़ा। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और संगत ने श्रद्धापूर्वक कीर्तन का श्रवण किया।

गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्दर सिंह जी ने कथा वाचन करते हुए बताया कि वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन श्री केशगढ़ साहिब, आनंदपुर में दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने पांच प्यारों को अमृत छकाकर खालसा की नींव रखी और स्वयं भी उनसे अमृत ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि यह घटना सिख इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

कार्यक्रम के अंत में श्री आनंद साहिब के पाठ, अरदास, हुकुमनामा और कढ़ाह प्रसाद के वितरण के साथ विशेष दीवान का समापन हुआ। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा और सचिव सुरेश मिड्ढा ने संगत को खालसा साजना दिवस की बधाई दी। मंच संचालन मनीष मिड्ढा ने किया।

18 और 19 अप्रैल को होगा दसवां महान कीर्तन दरबार : गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा और गुरु नानक सेवक जत्था के संयुक्त तत्वावधान में बैसाखी एवं श्री गुरु अंगद देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर 18 और 19 अप्रैल को दसवां महान कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले 17 अप्रैल को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब से दर्शन दिउड़ी गेट तक भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। इसमें पांच निशानची और पांच प्यारों की अगुवाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की सवारी पूरे क्षेत्र में भ्रमण करेगी। नगर कीर्तन के दौरान कीर्तन मंडली शबद गायन करेगी और विभिन्न स्थानों पर संगत द्वारा स्वागत किया जाएगा।

18 अप्रैल की रात और 19 अप्रैल की सुबह विशेष दीवान सजाए जाएंगे, जिनमें पटना साहिब से आए प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई सरबजीत सिंह जी संगत को शबद कीर्तन से निहाल करेंगे। 19 अप्रैल को गुरु नानक सेवक जत्था द्वारा गुरुद्वारा परिसर के बेसमेंट में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। दोनों दीवानों के बाद गुरु का अटूट लंगर भी चलाया जाएगा। इस अवसर पर द्वारका दास मुंजाल, मोहन काठपाल, अशोक गेरा, नरेश पपनेजा, अमरजीत गिरधर, अश्विनी सुखीजा सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आईफा इंटरनेशनल में वर्ल्ड आर्ट डे पर रंगों की खूबसूरत झलक

संवाददाता

रांची। वर्ल्ड आर्ट डे के खास मौके पर आईफा इंटरनेशनल, रांची में एक शानदार पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जहां बच्चों और युवाओं ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के जरिए जीवंत कर दिया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और रचनात्मकता का अद्भुत माहौल देखने को मिला।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य सिर्फ एक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छुपी कला को पहचानना और उसे खुलकर सामने आने का अवसर देना था। प्रतिभागियों ने अपने चित्रों के माध्यम से प्रकृति, संस्कृति और समाज से जुड़े विभिन्न पहलुओं को बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का मार्गदर्शन प्रसिद्ध कला शिक्षक मोहम्मद साबिर हुसैन ने किया, जिनकी प्रेरणा से प्रतिभागियों में नया आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती जैनाब की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शगुफ्ता बानो, अल्मा हसन और चंदा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता के अंत में प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था।

बसपा ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

संवाददाता

रांची : बहुजन समाज पार्टी रांची जॉन नंबर 2 में संविधान निमार्ता भारत रत्न परम पूज्य डॉ भीमराव अंबेडकर जी का 135 सी जयंती का कार्यक्रम किया गया मुख्य अतिथि रामचंद्र त्यागी जी पूर्व एमएलसी एवं विशिष्ट स्थिति माननीय राम उदगार दादी प्रदेश महासचिव माननीय हीरालाल गोद गुड्स जी प्रदेश महासचिव माननीय संतोष रविदास जी प्रदेश महासचिव माननीय अशोक कुमार रवि जी माननीय रियाज अंसारी जी प्रदेश सचिव माननीय सुरेश साहू जी प्रदेश सचिव माननीय जगदेव राम वीरेंद्र जी प्रदेश का अधिकारी सदस्य शीला देवी जी पूर्व प्रदेश सचिव लक्ष्मण बौद्ध जी रांची जिला अध्यक्ष उत्तम कुमार जी हजारीबाग के जिला अध्यक्ष जीवन श्री रांची जिला महासचिव मीरा टोपोलॉजी रांची जिला उपाध्यक्ष घन श्याम जी रांची जिला सचिव रमेश बौद्ध जी रांची जिला कोसा अध्यक्ष तमाम साथियों के साथ परम पूज्य संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर जी का जयंती धूमधाम से मनाया गया

राज्यपाल से मिलीं रांची विश्वविद्यालय की कुलपति

भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने की जरूरतः राज्यपाल

रांची। रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से लोकभवन में सादर शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात शैक्षणिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें उच्च शिक्षा के विविध आयामों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

कई अहम जानकारियों से कराया गया अवगत : इस अवसर पर प्रो. सरोज शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं प्राचीन भारतीय विज्ञान विषय पर अपनी लिखित पुस्तकों की प्रतियां को विनम्रतापूर्वक भेंट कीं। उन्होंने बताया कि इन पुस्तकों में भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत, प्राचीन वैज्ञानिक उपलब्धियों और पारंपरिक ज्ञान की व्यापक व्याख्या की गई है, जो आज के आधुनिक शिक्षा तंत्र में भी प्रासंगिक है।

कुलपति ने इस दौरान विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक सुधार, अनुसंधान गतिविधियों और नई शिक्षा नीति के तहत किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल करने और छात्रों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रो. शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों को इस दिशा में और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया, ताकि युवा पीढ़ी अपनी विरासत से परिचित हो सके और उसे आगे बढ़ा सके। इस मुलाकात के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार, शोध को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के समग्र विकास से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

श्री श्याम मंदिर में 199वां सुंदरकांड पाठ संपन्न

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा 199वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ह्लराम सिया रामह्व के भजन और बजरंग बली के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। मंडल के प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल के मार्गदर्शन में अखंड ज्योति एवं पूजन के सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का भोग अर्पित किया। साथ ही श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा कर पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की मधुर धुन पर श्री गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद श्री हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का संगीतमय पाठ कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भक्ति में लीन रहे। कार्यक्रम के दौरान भजनों का भी गायन किया गया। अंत में महाआरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन में श्रवण ढानढनिया, पुष्पा देवी पोद्दार, मुकेश मित्तल और राजेश जायसवाल सहित कई श्रद्धालुओं ने प्रसाद सेवा में योगदान दिया।

सीसीएल बरका-सयाल क्षेत्र ने रचा इतिहास, उत्पादन और डिस्पैच में बनाया नया रिकॉर्ड

संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के बरका-सयाल क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्थापना काल से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कोयला उत्पादन, ओबीआर और डिस्पैच में नई ऊँचाइयां हासिल की हैं।

इस अवधि में कोयला उत्पादन 87.43 लाख टन रहा, जो निर्धारित लक्ष्य का 97% है और पिछले वर्ष की तुलना में 8% अधिक है। ओबीआर 236.79 लाख क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया, जो लक्ष्य का 146% है तथा इसमें 38% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वहीं कंपोजिट उत्पादन 292.75 लाख क्यूबिक मीटर (133%) और कुल डिस्पैच 80.4 लाख टन रहा, जिसमें 5% की वृद्धि दर्ज की गई। रैक डिस्पैच की संख्या 2063 रही, जो पिछले वर्ष के 1725 की तुलना में 20% अधिक है।

बरका-सयाल क्षेत्र ने 16.2 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी हटाने के वार्षिक लक्ष्य को 16 दिसंबर 2025 को ही, निर्धारित समय से 105 दिन पहले हासिल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। साथ ही 14 दिसंबर 2025 को एक दिन में 1.0 लाख क्यूबिक मीटर ओबी हटाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया गया।

नॉर्थ उरीमारी सीएचपी - एसआईएलओ जो सीसीएल का एकमात्र एफएमसी प्रोजेक्ट है, ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 47.02 लाख टन डिस्पैच दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 62% अधिक है। रैक संख्या 755 से बढ़कर 1193 हो गई, जो 58% की वृद्धि दशार्ती है। साथ ही बिरसा/नॉर्थ उरीमारी प्रोजेक्ट की क्षमता 4.5 एमटीवाई से बढ़ाकर 6 एमटीवाई करना भी एक बड़ी उपलब्धि रही।

सतत विकास की दिशा में क्षेत्र ने एफएमसी के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल कोयला परिवहन को बढ़ावा दिया, जिससे सड़क परिवहन और वाहन उत्सर्जन में कमी आई। बलकुदरा ओबी डंप पर इको-पार्क का निर्माण कर इसे एक हरित मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित किया गया है।

नॉर्थ उरीमारी सीएचपी-एसआईएलओ को झारखंड पर्यटन विकास निगम के सहयोग से राज्य का पहला औपचारिक माइनिंग टूरिज्म केंद्र बनाया गया है, जहां देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं। इसके अलावा सौंदा बी साइडिंग क्षेत्र में मत्स्य पालन परियोजना के जरिए आजीविका और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करते हुए बलकुदरा में 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर ग्रिड से जोड़ा गया है। वहीं सीएसआर के तहत उरीमारी पंचायत, बड़कागांव (हजारीबाग) में दो अमृत सरोवर परियोजनाओं का सफल निर्माण कर जल संरक्षण की दिशा में भी सराहनीय पहल की गई है।

सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में बरका-सयाल क्षेत्र ने उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यह सफलता श्रमिकों के समर्पण, प्रबंधन की दूरदर्शिता और टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

होर्मुज से कांडला तक संकट के बीच भारत की ऊर्जा आपूर्ति

यह हम सभी देख रहे हैं कि आज अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा प्रभाव डाला है। ऐसे संवेदनशील समय में भारतीय ध्वज वाला एलपीजी जहाज ह्यजग विक्रमह्ल एवं अन्य जहाजों का सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करते हुए उनके तय स्थान (बंदरगाह) तक पहुंचना निश्चित ही भारत की संतुलित और प्रभावी कूटनीति का प्रतीक बनकर दुनिया के सामने आया है। इससे पहले हमने एमटी नंदा देवी, शिवालिक को एलपीजी टैंकर लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करते हुए देखा, दोनों जहाजों को ईरान ने सुरक्षित मार्ग दिया। ये एक साथ भारत की ओर बढ़े और देश की ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाा को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

कहना होगा कि युद्ध जैसे हालात में इस मार्ग से किसी भी जहाज का सुरक्षित निकलना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में आज ह्यजग विक्रमह्ल का सुरक्षित पारगमन यह संकेत देता है कि भारत ने समुद्री सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संवाद और सामरिक संतुलन का प्रभावी उपयोग किया है। अतः भारत ने जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने समुद्री हितों की रक्षा की है। इसके साथ ही यह भी ध्यान में आया है कि भारत अब तक अपने 2,177 नाविकों को सुरक्षित स्वदेश लेकर आ चुका है। यह आंकड़ा आज हर उस परिवार को राहत दे रहा है, जोकि अपने प्रियजनों की वापसी का इंतजार कर रहा था। साथ ही विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों ने चौबीसों घंटे हेल्पलाइन और जमीनी प्रयासों के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी भारतीय नागरिक संकट में अकेला नहीं रहेगा।

वस्तुतः डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम द्वारा 6,073 कॉल्स और 12,867 ईमेल्स को संभालना इस बात का प्रमाण भी है कि कैसे संकट के समय प्रभावी संचार कितना महत्वपूर्ण होता है। इस दिशा में भारत सरकार के प्रयास अत्यधिक सराहनीय कहे जा सकते हैं। यह दशार्ता है कि भारत ने सक्रिय रूप से स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है, इसलिए आज यह तंत्र संकट प्रबंधन में एक मजबूत मॉडल के रूप में उभर सका। वहीं, देश के सभी बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से जारी रहना भारत की आर्थिक और प्रशासनिक स्थिरता को दशार्ता है। पश्चिमी तट पर वेस्ट एशिया से जुड़े 3,383 कंटेनरों में से 3,228 की वापसी सुनिश्चित कर दी गई है। शेष 155 कंटेनर तकनीकी कारणों से लंबित हैं, किंतु कहीं भी जाम या देरी नहीं है। इसका मतलब साफ है कि वर्तमान वैश्विक संकट के समय में भी भारत ने अपने लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत बनाए रखा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय का विदेश मंत्रालय और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय मिशनों के साथ में मिलकर काम करना आज इस बात का उदाहरण है कि कैसे समन्वित प्रयास बड़े संकटों को नियंत्रित कर सकते हैं। देखने में आया कि यह सहयोग- प्रशासनिक, योजना निर्माण, क्रिया के स्तर पर एक साथ पूरे समन्वित रूप में कार्य कर रहा है। इस युद्ध के बीच एक अच्छी बात यह भी दिखाई दे रही है कि भारत घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहा, वह सक्रिय रूप से कूटनीतिक समाधान तलाश रहा है। दुनिया देख रही है कि भारत ने इस पूरे संकट में किसी एक पक्ष का समर्थन करने के बजाय संतुलित और तटस्थ रुख अपनाया हुआ है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत बनकर आज उभरा है। अमेरिका, ईरान और इजराइल तीनों के साथ संवाद बनाए रखना और अपने हितों की रक्षा करना भारत की ह्लमल्टी-अलाइनमेंटह्व नीति का एक सफलतम उदाहरण है। साथ में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, मदद और भलाई सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन और नियमित सलाह जारी करना यह दशार्ता है कि भारत की कूटनीति मानवीय भी है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के तनावपूर्ण माहौल में ह्यजग विक्रमह्ल की सुरक्षित यात्रा, हजारों भारतीय नाविकों की वापसी और बंदरगाहों का सुचारू संचालन, हम कह सकते हैं कि ये सभी घटनाएं मिलकर एक बड़ी स्वरूप हमारे सामने खड़ा कर रहे हैं और वो यह है कि भारत की कूटनीतिक परिपक्वता, रणनीतिक संतुलन और मानवीय दृष्टिकोण यह बताता है कि केंद्र सरकार की नीति एवं योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

कुल सार रूप में कहना यही है कि जब दुनिया संघर्ष और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, तब भी भारत अपने एक-एक नागरिक की बराबर चिंता कर रहा है, उनकी एवं उसके परिवार की निरंतर ऊर्जा जरूरत पूरी होती रहे, इसके लिए जहां जैसे संभव हो रहा है, वहां, वह नए रास्ते बना रहा है। सबक यह है कि शांतिपूर्ण संवाद, संतुलित नीति और मजबूत प्रशासनिक ढांचा किसी भी संकट को अवसर में बदल सकता है। फिलहाल इस दिशा में मोदी सरकार की नीति सही दिशा में सफलता के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

तुम बहुत बोल चुके, अब मैं बोलूंगी

इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से घबरा कर हिंसा को बढ़ावा देने वाली बयानबाजी आरम्भ कर दी। अभिषेक बनर्जी तो अपनी रैली में सीधे तौर पर भाजपा कार्यकताओं की गर्दन, हाथ-पैर तोड़ने तक की बात कह रहे हैं। इसके लिए उनके खिलाफ चुनाव आयोग की ओर से एफआईआर भी की गई है।

बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण आ गया है। केन्द्रीय मंत्रीपरिषद ने इसे पारित कर दिया है। महिला आरक्षण सामाजिक समता का ऐतिहासिक दस्तावेज है। इससे अथर्ववेद के एक मंत्र की ध्वनि सुनाई पड़ रही है। इस मंत्र में एक स्त्री कहती है, ह्वतुम बहुत बोल चुके। अब मैं बोलूंगी ह्व भारत में प्राचीन काल से ही स्त्री सम्मान रहा है। महिलाओं की खराब स्थिति का प्रचार करने वाले मिथ्या आरोप लगाते रहे हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय समाज में स्त्रियां, पुरुष के बराबर सम्मानीय रही हैं। वैदिक काल में भी स्त्री सम्मान था। वैदिक काल की एक प्रतिष्ठित महिला मुद्गलानी रथ पर चढ़कर युद्ध में हिस्सा लेती थीं। युद्ध में उनके वस्त्रों का संचालन वायु देव ने किया था। ऋग्वेद के अनुसार युद्ध में विपशला का पैर कट गया। अश्वनी देवों ने उसे धातु का पैर लगा दिया था। पति और पत्नी को मिलाकर दंपत्ति बनता है। दंपत्ति में नारी की प्रतिष्ठा है। ऋग्वेद में अनेक सूक्तों में स्त्री सम्मान के तत्व हैं। सृष्टि की उत्पत्ति जल से होने का तथ्य चार्ल्स डार्विन ने भी स्वीकार किया है। जल माता का विचार डारविन के बहुत पहले वैदिक काल में ही पुष्ट हो चुका था। ऋग्वेद में ह्यआपः मातरमह्य-जलमाताओं को नमस्कार किया गया है।

ऋग्वेद में अदिति नाम की एक महादेवी हैं। कहा गया है, ह्यह्यइस अस्तित्व के सभी तत्व अदिति हैं। अब तक जो कुछ हो गया है और जो कुछ भविष्य में होगा वह सब अदिति है ह्यह्य ऋग्वेद का सूक्त पठनीय है। अदितिः द्यौः अदितिः अन्तरिक्षं अदितिः माता सः पिता सः पुत्रः अदितिः विश्वेदेवाः अदितिः पंचजनाः अदितिः जातम जनित्वम-द्युलोक अदिति है, अंतरिक्ष भी अदिति है, माता-पिता-पुत्र सब अदिति हैं, सारे देव अदिति हैं, जो पंचजन सप्तसिन्धु में निवास करते हैं, वह सब अदिति हैं। जो कुछ उत्पन्न हुआ है और जो कुछ आगे उत्पन्न होगा, वह सब अदिति है। (ऋग्वेद 1.89.10) यूनानी देवतंत्र में अदिति के समान गूढ़ दार्शनिक अर्थ रखने वाली कोई देवी नहीं है।

विवाहित होना सम्मानीय था। स्मृतियों में दीर्घकाल तक अविवाहित बने रहने की आलोचना की गई है। विवाह नाम की संस्था का विकास धीरे-धीरे हुआ है। ऋग्वेद के रचनाकाल तक विवाह संस्था का समुचित विकास हो रहा था। स्त्री दासी नहीं है। ऋग्वेद के एक सुंदर मंत्र में नववधू को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया है कि, ह्यह्यइह नववधू दीर्घकाल तक जिए। दीर्घकाल तक काम करे। ससुर और सभी परिजनों पर शासन करे ह्यह्य यह भारतीय संस्कृति का प्राचीन तत्व है।

भारत में नारी की स्थिति सभी कालों में सम्माननीय रही है। पूर्वजों ने स्त्री को समाज का संरक्षक माना है। वैदिक काल में महिलाएं मंत्रद्दष्टा ऋषि भी थीं। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार राजा जनक ने विद्वानों की सभा बुलाई थी। अनेक विद्वान इस गोष्ठी में सम्मिलित थे। विद्वानों की सभा में गार्गी ने याज्ञवल्क्य से सीधे सवाल पूछे थे। पूछा था कि, ह्यह्ययह संपूर्ण अस्तित्व किस तत्व पर टिका हुआ है?ह्यह्य, ह्यह्यसृष्टि किस आधार पर खड़ी है ह्यह्य याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया, ह्यह्यजल पर ह्यह्य गार्गी ने उत्तर के बाद पूछा, ह्यह्यजल किसमें आधारित हैं?ह्यह्य फिर पूछा गया कि, ह्यह्यइस अस्तित्व को कौन देवता आधार देते हैं?ह्यह्य गार्गी ने पूछा, ह्यह्यइस विराट अस्तित्व का आधार क्या है?ह्यह्य याज्ञवल्क्य ने उत्तर दिया ब्रह्म ही सबको धारण करता है। ब्रह्म ही सर्वोच्च हैं। गार्गी ने अगला प्रश्न पूछा कि, ह्यह्यब्रह्म किस पर आधारित हैं। याज्ञवल्क्य ने कहा, ह्यह्यब्रह्म सर्वोच्च हैं। ब्रह्म ही भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होते हैं। ब्रह्म का कारण ब्रह्म हैं। ब्रह्म असीम हैं। अनंत हैं।

गार्गी की प्रतिभा अद्भुत थी। राम-सीता की जोड़ी में सीता और राम दोनों की विशिष्टता देखी जाती है। कोई बड़ा नहीं। कोई छोटा नहीं। सीता जैसा चरित्र दुनिया के किसी भी देश में नहीं मिलता। शिव-पार्वती में पार्वती प्रथमा हैं और वह सभी अवसरों पर शंकर जी से विभिन्न विषयों पर गहन प्रश्न पूछा करती हैं। कैकई और दशरथ के कथानक में कैकई विचारणीय हैं। भारतीय परंपरा व साहित्य में सर्वत्र स्त्री सम्मान की गूंज है। यत्र नारी अस्तु पूजते रमंते ततदेवता-जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रहते हैं। नारी माता हैं। अनेक प्रतीकों में स्त्री को माँ कहा गया है। माता से बढ़कर दूसरा कोई प्रतीक नहीं है। यहां भारत को भी भारत माता कहा गया है। अथर्ववेद के भूमि सूक्त में पृथ्वी को माँ बताया गया है। अधिकांश नदियों को भी हम माता ही कहते हैं। वैदिक काल में यज्ञ की अतिरिक्त प्रतिष्ठा रही है। यज्ञ विधान के अनुसार पूजा में पत्नी की उपस्थिति अनिवार्य है। अथर्ववेद के एक सुंदर मंत्र में ऋषि पत्नी से कहते हैं, ह्यह्यतुम ऋक हो। मैं साम (गान) हूं। मैं अंतरिक्ष हूं। तुम पृथ्वी हो ह्यह्य

वैदिक काल में अनेक स्त्रियां वेद मंत्रों की रचयिता या द्दष्टा ऋषि भी रही हैं। इनमें लोमसा, लोपामुद्रा, यमी, श्रद्धा, ब्रह्मवादिनी जुहू, सूर्या, इंद्राणी, कच्छीवान की पुत्री घोषा आदि स्त्रियों की प्रतिष्ठा किसी भी विद्वान से कम नहीं थी। पूर्वजों ने मातृ शक्ति को पुरुष जैसा सम्मान दिया है। ऋग्वेद के एक सूक्त में पौलोमी सची द्वारा व्यक्त उद्गार देखने योग्य हैं। वे कहती हैं, ह्वमैं ज्ञानवती हूं। मैं मूर्धन्य हूं। मैं तेजस्वी वक्ता हूं। मैं शत्रुओं का विनाश करती हूं। पति मेरे अनुकूल व्यवहार करते हैं। ऐतरेय ब्राह्मण में गंधर्व ग्रहीता कुमारी का विवरण है। शतपथ ब्राह्मण के अनुसार मैत्रेयी ऋषि याज्ञवल्क्य की पत्नी थीं। उनकी रुचि ब्रह्म विद्या में थी। याज्ञवल्क्य ने सन्यासी होने का निर्णय लिया। दोनों पत्नियों को बुलाया और बताया कि हमारी संपदा दोनों पत्नियां मिलकर बांट लो। इस पर मैत्रेयी ने कहा कि, ह्वमुझे धन संपदा नहीं चाहिए। आपको जो ज्ञान प्राप्त हो वही मुझे दीजिए ह्व कृतार्षिनी ने मीमांसा दर्शन पर ग्रंथ लिखा था।

वैदिक काल में शिक्षा की उत्तम व्यवस्था थी। इनमें तमाम महिलाएं आचार्य थीं। बच्चों को पढ़ाती थीं। पाणिनी की व्याकरण के अनुसार उपाध्याय की पत्नी को उपाध्यायानी कहा गया है और जो स्त्री स्वयं अध्ययन का कार्य करे उसके लिए उपाध्याय शब्द ठीक होगा। वैदिक काल में संपत्ति पर स्त्रियों का भी अधिकार था। महिलाएं घर की प्रधान थीं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

मुद्रा महाठगनी, इसके रूप अनेक!

रुपये की जितनी अजब करामात है। उतना ही गजब इतिहास भी। प्राचीनकाल में वस्तुओं का मूल्य अनाज और गाय, बैल आदि पशुओं से आंका जाता था। यह व्यवस्था भारत के अलावा ग्रीस में भी प्रचलित थी। उस काल में धनिकों के धन की माप पशुओं से की जाती थी। आज जो स्थान सोने- चांदी या रुपयों के नोट का है, प्राचीनकाल में यही स्थान पशुओं का था।

प्रयाग पाण्डे

जितना पुराना मानव सभ्यता का इतिहास है, मुद्रा का भी इतिहास उतना ही पुराना है। मुद्रा का इतिहास मानव जीवन में क्रमशः आए उत्तरोत्तर परिवर्तनों की दिलचस्प कहानी है। आदिम युग से वर्तमान कम्प्यूटर युग तक मनुष्य के जीवन में हुए परिवर्तनों के साथ मुद्रा के रूपों में भी रोचक बदलाव आए हैं। अपनी विकास यात्रा में मुद्रा ने 'पशुधन' एवं 'वस्तु विनिमय प्रणाली' से डिजिटल इकोनॉमिक तक की एक लंबी यात्रा तय की है। रुपये की जितनी अजब करामात है। उतना ही गजब इतिहास भी। प्राचीनकाल में वस्तुओं का मूल्य अनाज और गाय, बैल आदि पशुओं से आंका जाता था। यह व्यवस्था भारत के अलावा ग्रीस में भी प्रचलित थी। उस काल में धनिकों के धन की माप पशुओं से की जाती थी। आज जो स्थान सोने- चांदी या रुपयों के नोट का है, प्राचीनकाल में यही स्थान पशुओं का था।

वस्तु - विनिमय (अदला-बदली) की व्यवस्था अराजक थी। इसमें आए रोज लड़ाई-झगड़े होते थे। अदला-बदली की व्यवस्था की खामियों से निपटने के लिए हजारों साल पहले सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ। प्राचीनकाल में भारत में सोना, चांदी, तांबा, पत्थर, कौड़ी आदि के सिक्के चलन में आए। वैदिक काल में सोने के सिक्के चलते थे,जिन्हें निष्क, शतनाम, सुवर्ण, पाद आदि नामों से जाना जाता था। कालांतर में चांदी के सिक्के प्रचलन में आए। चांदी के सिक्कों को पण, कार्षापण, विंशतिकी त्रिंशतिकी आदि नामों से जाना जाता था। प्राचीनकाल में जब सिक्के का आविर्भाव हुआ तब सिक्के के धातु का वजन, मूल्य और शुद्धता उसमें निहित थी। राजा इस बात का वचन देता था। सोने के सिक्के स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। स्वयंसिद्ध मुद्रा का मूल्य उसके गर्भ में था। जबकि चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था।

प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरूप चांदी - सोने पर कोई चिह्न बने सिक्कों को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था। भारत में गौतम बुद्ध के कार्यकाल में चांदी के सिक्कों का तौल 40 और 25 रत्ती थी। उस दौर में चांदी के सिक्कों को 'पण' और 'कर्षापण' कहा जाता था। सिक्कों में हाथी, कुत्ते या वृक्षों के ठप्पे अंकित होते थे।

प्राचीनकाल में चांदी और तांबा,सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चूंकि सोना पृथ्वी के गर्भ में अन्य किसी धातु से अमिश्रित शुद्ध अवस्था में मिलता था। इसलिए सोना सुलभ था। माना जाता है कि संसार में सबसे पहले सिक्कों के लिए सोने को ही प्रयोग में लाया गया था। चूंकि उस दौर में चांदी दुर्लभ थी। चांदी अन्य धातुओं से मिश्रित अवस्था में मिलती थी। चांदी को खानों से निकालना मुश्किल और बेहद श्रमसाध्य था। चांदी को पहले खानों से निकाला जाता था, फिर उसे गलाकर चांदी के पात बनाए जाते थे। इसके बाद टकसालों में चांदी के रुपये ढाले जाते थे। कालांतर में ज्ञान- विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति से चांदी को खानों से निकालना सरल हो गया तो चांदी सर्वसुलभ हो गई और सोना दुर्लभ हो गया। तब दक्षिण भारत में सोने के सिक्कों की प्रधानता थी। उत्तर भारत में चांदी के सिक्कों का प्रचलन अधिक था।

दिल्ली सल्तनत के दौरान 1329 ई. में चांदी के सिक्कों के स्थान पर कांसे और तांबे के सिक्के चलाए गए। इन्हें सांकेतिक मुद्रा कहा गया। उस दौर में घर-घर टकसाल बन गए। लोग अपने घरों में खुद ही कांसे और तांबे के सिक्के ढालने लगे थे। सल्तनत को आखिरकार इन सिक्कों को बंद करना पड़ा। इनके स्थान पर सोने और चांदी के 'तंके' जारी करने पड़े। इसके बाद फिरोजशाह तुगलक (1351- 1388) ने 'शशगानी' नाम का सिक्का चलाया। ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली से प्रेरित होकर शेरशाह सूरी (1540-1545) ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर 180 ग्रेन शुद्ध चांदी का रुपया और 380 ग्रेन शुद्ध तांबे का रुपया चलाया। रुपया संस्कृत के शब्द 'रुप्य' या 'रौप्य' का अपभ्रंश है। संस्कृत में चांदी को 'रुप्य' या 'रौप्य' कहते हैं। शेरशाह सूरी के सिक्कों में कूफी के साथ हिंदी में भी लिखा हुआ था। शेरशाह के पुत्र इस्लामशाह के कार्यकाल में सिक्के का पुराना रूप कायम रहा। इस दौर के सिक्कों में भी कूफी के साथ हिंदी में लिखा जाता था लेकिन मुगल बादशाह बाबर, हुमायूं और अकबर के शासनकाल में चले सिक्कों में बादशाहों ने सिक्कों में सिर्फ कूफी में अपने नाम खुदवाए। भारत में हुमायूं ने सबसे पहले फारसी शब्दों का प्रसार किया। इसके बाद अकबर, जहांगीर, औरंगजेब आदि मुगल बादशाहों ने फारसी को खूब बढ़ावा दिया। इस कालखंड में सभी राजकार्य फारसी में ही होते थे। सिक्कों में भी फारसी अक्षरों का उपयोग किया जाता था। सिक्कों से हिंदी शब्द हटा दिए गए थे। मुगलकाल में बाबर ने 'बाबरी' नाम से चांदी का सिक्का चलाया। अकबर ने 1577 में दिल्ली में एक शाही टकसाल बनवाई और 'मुहर' एवं 'इलाही' नाम से सोने के सिक्के चलाए। अकबर ने 'जलाली' नाम का 175 ग्रेन का चौकोर चांदी का सिक्का और 'दाम' नाम से तांबे का एक सिक्का भी चलाया, जो शेरशाह सूरी द्वारा चलाए गए चांदी के रुपये का 40 वां भाग माना जाता था। अकबर ने अपने कुछ सिक्कों में सीता और राम की मूर्ति अंकित करवाई थी और सिक्कों में देवनागरी में 'राम-सिया' लिखवाया था। जहांगीर ने 'निसार' नाम का एक सिक्का चलाया,जो रुपये के चौथाई मूल्य के बराबर था। टीपू सुल्तान ने 1787 में अपने नाम के सिक्के जारी किए। सिख साम्राज्य के राजा रणजीत सिंह (1792- 1839) ने नानक और गुरु गोविंद सिंह के नाम से सिक्के चलाए। इन सिक्कों में 'नानक सहाय' और 'गोविंद सहाय' उत्कीर्ण कराया था। दिल्ली में ईस्ट इंडिया कंपनी का आधिपत्य कायम हो जाने के बाद मुगलकालीन सिक्कों का प्रचलन बंद कर दिया गया। मुर्शिदाबाद के जगत सेठ को नवाब ने टकसाल चलाने के लिए अधिकृत किया था। तब भारत के अधिकांश हिस्से में जगत सेठ का रुपया चलता था। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन स्थापित हो जाने के बाद कंपनी ने जगत सेठ के मुद्रा चलाने के अधिकार को बदस्तूर कायम रखा। जिस दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में आई तब यहां चांदी और सोने के सिक्कों के मान में विविधताएं थीं। बंगाल प्रांत में एक जिले का रुपया दूसरे जिले में नहीं चलता था। अनेक जिलों में विभिन्न मान के रुपये प्रचलन में थे। सोने और चांदी में परस्पर प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। कभी सोना महंगा हो जाता था तो कभी चांदी। फरूर्खाबादी रुपये फरुर्खाबाद, बनारस, सागर और कलकत्ता के टकसालों में ढाले जाते थे। मद्रासी रुपये अलग ढलते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल कलकत्ता में थी। यहां रुपयों की ढलाई मशीनों (कल) से होती थी। इसलिए ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल में ढले रुपयों को 'कलदार' कहा जाता था।

1835 में बंगाल के गवर्नर जनरल को ब्रिटिश शासित संपूर्ण भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया। 27 मई, 1835 को गवर्नर जनरल ने ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य वाले संपूर्ण भारत में एक ही प्रकार के सिक्कों के प्रचलन की घोषणा कर दी। इस संबंध में बाकायदा मुद्रा विधान बना। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा 1835 में बनाए गए मुद्रा संबंधी विधान भारत की मुद्रा व्यवस्था के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस विधान में यह व्यवस्था दी गई कि 1 सितंबर, 1835 से कंपनी के टकसालों में एक ही आकार-प्रकार के सिक्कों की ढलाई होगी। ईस्ट इंडिया कंपनी के टकसालों में ढाले जाने वाले चांदी के सिक्के को फरुर्खाबादी रुपये के बराबर माने जाने का निर्णय लिया गया। कहा गया कि चांदी के रुपये का वजन 180 ग्रेन होगा, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी होगी। अठ्ठन्नी एवं चवन्नियां में भी इसी अनुपात में चांदी होगी। चांदी के सिक्के का मूल्य पन्द्रह रुपये माना गया। यह भी नियम बना कि कुछ विशेष प्रकार के सोने के सिक्के भी ढाले जाएंगे लेकिन कोई भी व्यक्ति कंपनी शासित क्षेत्र में सोने के सिक्के लेने या देने को बाध्य नहीं होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वृंदावन में जहां गिरे थे मां सती के केश, जानिए इसका कृष्ण कनेक्शन

वृंदावन की पावन धरती पर मां कात्यायनी का पावन मंदिर है। यह शक्तिपीठ सिर्फ मंदिर नहीं बल्कि प्रेम और आस्था का केंद्र भी है। यहां पर स्वयं राधा रानी और गोपियों ने तपस्या की थी। वृंदावन का नाम सुनते ही हमारे मन में बांके बिहारी की छवि उभरती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ब्रज की भूमि की रक्षा और यहां की अधिष्ठात्री देवी स्वयं मां कात्यायनी हैं। मां कात्यायनी का यह मंदिर वृंदावन के राधा बाग इलाके में है और यह 51 शक्तिपीठों में से एक है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक जब भगवान श्रीविष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शव के टुकड़े किए थे, तो मां सती के केश यहां पर गिरे थे। इस कारण इस स्थान को 'उमा शक्तिपीठ' कहा जाता है।

मंदिर का इतिहास

इस मंदिर का इतिहास किसी चमकत्कार से कम नहीं है। साल 1923 में स्वामी केशवानंद महाराज ने मंदिर का निर्माण कराया था। स्वामी जी ने 33 सालों तक हिमालय की कंदराओं में कठिन साधना-तपस्या की थी। इस दौरान उनको एक दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई, जिसमें उनको वृंदावन में लुप्त इस शक्तिपीठ को ढूंढने के साथ मंदिर को स्थापित करने का भी आदेश मिला। स्वामी केशवानंद ने अपने योगबल से न सिर्फ इस मंदिर को पहचाना बल्कि आज यह मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है।

अष्टधातु की प्रतिमा

यह मंदिर सफेद संगमरमर से बना है, जोकि देखने में काफी भव्य लगता है। मंदिर के मुख्य द्वार पर दो सुनहरे शेर खड़े हैं, जोकि मां की शक्ति का एहसास कराते हैं। वहीं मंदिर के गर्भगृह में मां कात्यायनी की अष्टधातु की विशाल प्रतिमा विराजमान हैं। मां की चार भुजाएं हैं, जिसमें दाहिनी भुजा अभय और वर मुद्रा में हैं। बाईं भुजाओं में कमल का पुष्प और तलवार है। मां के अलावा यहां भगवान शिव, भगवान विष्णु, सूर्य देव और गणेश जी की प्रतिमा है। जो इसको एक पूर्ण पंचदेव मंदिर बनाती हैं।

श्रीकृष्ण ने रचाया 'महारास'

बता दें कि इस मंदिर का संबंध द्वापर युग और श्रीकृष्ण से है। श्रीमद्भागवत पुराण के मुताबिक वृंदावन की गोपियां श्रीकृष्ण को अपने पति के रूप में पाना चाहती थीं। जिसके लिए गोपियों ने यमुना किनारे पूरा कार्तिक मास मां कात्यायनी की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा की थी।

गोपियों की भक्ति से प्रसन्न होकर मां कात्यायनी ने उनको वरदान दिया था। इस वरदान के फलस्वरूप भगवान श्रीकृष्ण ने शरद पूर्णिमा की रात 16108 रूप धारण किए थे। साथ ही हर गोपी के साथ महारास भी रचाया था। माना जाता है कि आज भी जो कुंवारे युवक-युवतियां यहां आकर मां के दर्शन करते हैं, उनके विवाह में आने वाली अड़चनें दूर होती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

समाचार सार

अंबेडकर जयंती पर कानून का संदेश अपराध पर लगाम के लिए करमा पंचायत में जनसभा

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को करमा पंचायत भवन में ह्लसावित्री सुंदर ट्रस्टह्व द्वारा एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित हुआ, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। जनसभा में मुख्य अतिथि के रूप में करमा पंचायत की मुखिया मोनी देवी, अनिल यादव, इकरामुल भैया समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को कानून, प्रशासन और अपने अधिकारों की जानकारी देना था, ताकि वे अपराध और अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़े हो सकें।

व्यवहार न्यायालय कोडरमा से पहुंचे वरिष्ठ अधिवक्ता चंदन पाण्डेय और शशांक शेखर पाण्डेय ने लोगों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों, मुकदमों की प्रक्रिया, पुलिस कार्रवाई, जमीन विवाद, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध तथा अन्य सामाजिक मामलों से जुड़े कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सरल भाषा में बताया कि आम लोग कानून का सही इस्तेमाल कर अपनी समस्याओं का समाधान कैसे पा सकते हैं। सभा में मौजूद लोगों ने भी बारी. बारी से अपनी समस्याएं रखीं और उनसे जुड़े सवाल पूछे, जिनका अधिवक्ताओं ने संतोषजनक जवाब दिया। कार्यक्रम में सावित्री सुंदर ट्रस्ट के उमाशंकर सिंह, संदीप कुमार, रजनीकांत पाण्डेय, नोखलाल दास, किशोर राणा और मीडिया प्रभारी पवन कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रजनीकांत पाण्डेय ने किया।

डायरिया से दो महिला की मौत

साहिबगंज :बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत छुछी पंचायत के चंद्रढीपा गांव में डायरिया से दो महिला की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है।वही महिला एक ही परिवार के दोनों सास बहु है।वही दोनों महिला डायरिया बीमारी से मौत की आशंका जताई है.घटना के सूचना ग्रामीणों ने झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी को दी सूचना मिलते ही झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने समुदायिक स्वस्थ केंद्र बरहेट चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर पंकज कर्मकार को अवगत कराया। तत्पश्चात विभाग ने त्वरित पहल करते हुए गांव में मेडिकल टीम भेज कर कैंप लगाया इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी कि देख -रेख में गांव में एक दर्जन से अधिक महिला पुरुषों का इलाज किया गया. सभी को आवश्यक दवा दी गई.इस बीमारी से गांव के ही सांझली सोरेन 32वर्षीय,फुलमनी हेंब्रम 55वर्षीय की मौत हो गई,वही पीड़िता के परिजनो के घर पहुंचकर मुलाकात कर जानकारी ली . इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख ने स्वास्थ्य विभाग के टीम को पूरे गांव में स्वस्थ जांच कैंप के साथ साथ आवश्यक दिशा निर्देश दिया। ग्रामीणों को संथाली भाषा में ताजा भोजन गर्म पानी पीने की सलाह दी।मौके पर जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, बल्लू उर्फ देव सोरेन प्रखंड उपाध्यक्ष लखीराम हेंब्रम,संजय सोरेन, समदा सोरेन,शाहजमाल अंसारी बैजू यादव,ओ बी सी मोर्चा के नागराज साह सहित अन्य स्वस्थ्य कर्मी मौजूद थे।

विपरीत परिस्थितियां भी किसी के हौंसले को रोक नहीं सकती : दिनेश यादव

साहिबगंज:राजद के जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव अपने आवसीय कार्यालय सकरीगली मे भारत संविधान के शिल्पकार डॉ भीम राव अम्बेदकर की 135वी जयंती बड़े धूमधाम से मनाया।इस दौरान राजद कार्यकर्ताओ ने बाबा साहब के तस्वीर पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।वही राजद जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियां भी किसी के हौंसले को रोक नहीं सकती।उन्होंने समाजिक भेदभाव के बीच संघर्ष करते हुए ना केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की,बल्कि देश के संविधान का निर्माण कर इतिहास रच दिया।उन्होंने कहा कि समानता और समाजिक न्याय के लिए किया गया उनका कार्य आज भी समाज को दिशा दे रहा है।मौके पर सोनू किस्कू,गौत्तम दुबे,मो संफराज,चन्दन यादव,अनिल राम,छोटू,रमेश पहाड़िया,विजय चौधरी,चन्दन यादव बबलू मंडल,सुभाष हेब्रम सहित कई लोग शामिल थे।

भारतीय वायु सेवा ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

दुमका : भारतीय वायु सेना की जागरूकता टीम ने बुधवार को उप राजधानी दुमका में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया.

बिहटा स्थित 10 एयरमेन सिलेक्शन सेंटर की तीन सदस्यीय टीम ने झारखंड के दुमका जिले का दौरा किया और युवाओं को भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एक जागरूकता अभियान चलाया।

इस दौरान, टीम ने +2 जिला स्कूल और एस.पी.कॉलेज दुमका के छात्र एवं छात्राओं से बातचीत की, जहां भारतीय वायु सेना में प्रवेश के विभिन्न अवसरों पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया गया। इस सत्र में अग्निवीर वायु भर्ती प्रक्रिया के साथ-साथ अधिकारी प्रवेश योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।. छात्रों को ठऊअ, उऊए और अऋछअळ में प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड, शैक्षणिक योग्यता और चयन प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई।.

सहभागिता को प्रोत्साहित करने और जागरूकता का आकलन करने के लिए, भारतीय वायु सेना पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

डॉ.अंबेडकर का जीवन संघर्ष समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है : प्रेम लाल मंडल

साहिबगंज:अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने नेतृत्व मे भारत रत्न एवं संविधान निमार्ता डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।उन्होंने नगर पार्षद परिसर स्थित में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने कहा कि डॉ.अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया,जो आज भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार है।उन्होंने सभी नागरिकों से बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने तथा सामाजिक समरसता एवं समानता को बढ़ावा देने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान नगर पार्षद परिसर में अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के सभी सदस्यों ने भी बाबा साहब को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।वहीं अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने पटेल चौक स्थित लौह पुरुष ?सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा गांधी चौक स्थित गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।मौके पर मौजूद सत्यनारायण सिन्हा,अजय कुमार चौधरी,जयप्रकाश सिन्हा,संजय पटेल, ?रमन कुमार ??संजय सिंह पटेल,किशोर कुमार सिन्हा, ?बबलू सिन्हा,मिथिलेश कुमार,शिव चरण प्रसाद सिन्हा,प्रवीर कुमार सिन्हा,कुणाल राय,मनिंद्र नाथ राय,शशि शेखर सिन्हा,चमकलाल मंडल,शत्रुघ्न कुमार,मुकेश कुमार,कुंदन कुमार,अधिवक्ता मुनिलाल मंडल,अशोक सिन्हा,शैलेश कुमार,अनिल सिंह,साथ ही उपस्थित समाज के दर्जनों लोग ने मौजूद थे।

राजमहल विधायक ने अनुमंडलीय अस्पताल के चहारदीवारी का किया शिलान्यास

संवाददाता

साहिबगंज :राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के चारदिवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को किए 61.56 लाख की लागत से बनने वाले चारदिवारी निर्माण कार्य किया जाना है. उपरांत अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किए. निरीक्षण के दौरान मरीज को मिलने वाली सुविधा से अवगत हुए. महिला मरीज के लिए उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सुविधा से संतुष्ट हुए उन्होंने कहा कि पूर्व के अनुपात बेहतर सुविधा हो रही है और महिला एवं प्रसूता को इसका लाभ मिल रहा है निश्चित ही आगे और भी इसका लाभ मिलेगा।वही रक्त जांच में भी वृद्धि हुई है कई नए-नए जांच भी शुरू हुए हैं जिससे क्षेत्र के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू को मरीजों के लिए और भी बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए. मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू, नपं अध्यक्ष केताबुददीन शेख विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डू, सहायक अभियंता प्रेम कुमार, झामुमो नगर अध्यक्ष मो आजाद, प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, काजू मल्लिक, घीसु शेख, अब्दुल कादिर, एकलाकुर रहमान, मो अयुब, राजीव बर्मन, पवन साहा, मो शहनवाज, रोहित कुमार सहित अन्य मौजूद थे। राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने विधायक निधि से निर्मित तीन योजनाओं का उद्घाटन मंगलवार को किए. राजमहल फेरीघाट स्थित यात्री शेड, हाटपाडा गैस गोदाम के समीप व राजवाड़ा में कब्रिस्तान के समीप निर्मित पीसीसी सड़क का उद्घाटन किए. माननीय विधायक जी ने कहा कि जनहित से जुड़े योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है ताकि क्षेत्र की जनता इससे लाभान्वित हो सके।गोद लिए 10 टीबी मरीजों को 6 माह पोषण आहार दिए विधायक टीबी उन्मूलन अभियान के तहत निक्ष्य मित्र में माननीय विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने राजमहल एवं उधवा प्रखंड के 10 मरीजों को इलाज के दौरान पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए गोद लिए थे।मंगलवार को अंतिम महीना का पौष्टिक आहार मरीज के बीच माननीय विधायक के हाथों वितरण किया गया. सभी मरीजों को सफलतापूर्वक 6 माह तक लगातार पौष्टिक आहार मिला. मैरिज एवं अस्पताल प्रबंधन ने माननीय विधायक जी के प्रति आभार व्यक्त किया है.

संपूर्ण जीवन शिक्षा समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा है : डॉ. रंजित

साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

साहिबगंज:कॉलेज साहिबगंज परिसर में भारत रत्न एवं संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. रंजित कुमार सिंह प्राचार्य मॉडल कॉलेज साहिबगंज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर कल्याण छात्रावास, साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज से भव्य शोभा यात्रा निकालकर किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। शोभा यात्रा पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ कॉलेज परिसर में भ्रमण करते हुए निकाली गई। जिससे वातावरण बाबा साहेब के विचारों एवं नारों से गुंजायमान हो उठा।कार्यक्रम के दौरान डॉ. रंजित कुमार सिंह, संजीव रजक, दिवाकर, अभिलाषा, छोटू पासवान सहित अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके उपरांत कॉलेज परिसर में एक विचार-विमर्श गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष सामाजिक न्याय, शिक्षा और भारतीय संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. रंजित कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का संपूर्ण जीवन शिक्षा समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को बाबा साहेब के आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षित, संगठित एवं जागरूक नागरिक बनने का संकल्प लेना चाहिए। जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया ।जिसमें छात्र-छात्राओं ने गीत, भाषण एवं नृत्य प्रस्तुत कर बाबा साहेब के विचारों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य सैयद रजा इमाम रिजवी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सिदाम सिंह मुंडा, डॉ. प्रमोद दास, डॉ. सैमी विक्टर मरांडी, डॉ. संतोष कुमार चौधरी, डॉ. दिनेश कुमार यादव, डॉ. प्रसन्नजीत, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. रीना कुमारी, डॉ. अक्षय कुमार, डॉ. सुनीता कुमारी तथा छात्र प्रतिनिधि विनोद मुर्मू उपस्थित रहे।अपने संबोधन में प्राचार्य सैयद रजा इमाम रिजवी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक महान विधिवेत्ता और संविधान निमार्ता ही नहीं बल्कि सामाजिक समानता, शिक्षा और मानवाधिकारों के महान प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने विद्यार्थियों से बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर समाज में समानता शिक्षा और जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पूरे आयोजन ने उपस्थित जनसमूह के मन में डॉ. अंबेडकर के विचारों के प्रति नई ऊर्जा एवं प्रेरणा का संचार किया।

देवघर नगर निगम एवं बासुकीनाथ नगर पंचायत के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन सह सम्मान समारोह संपन्न

संवाददाता

जरमुंडी (जहान भारती) : मंगलवार को पटेल सेवा संस्थान बासुकीनाथ के सौजन्य से बासुकीनाथ बस स्टैंड स्थित रायल मैरिज गार्डन में देवघर नगर निगम के मेयर रवि राउत एवं वार्ड पार्षद के साथ-साथ

बासुकीनाथ नगर-पंचायत के नव-निर्वाचित समस्त जनप्रतिनिधियों का पटेल सेवा संस्थान -बासुकीनाथ द्वारा हार्दिक अभिनन्दन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जरमुंडी विधानसभा के पूर्व विधायक व राज्य सभा सांसद अभयकांत प्रसाद , गोड्डा से आये एस.के.एम.यू. डा.शंभू प्रसाद सिंह

आयोजन में सम्मिलित होने के लिए देवघर नगर निगम के नव-निर्वाचित मेयर रवि राउत के साथ साथ वहां से नव निर्वाचित पार्षद गण तथा अमरेन्द्र ज्योति,

मृत्युंजय कुमार, जसीडीह से समाजसेवी विनोद प्रसाद, मोहनपुर से समाजसेवी पंजाबी राउत, दुमका से समाजसेवी संदीप कुमार जय (उर्फ बम-बम) समाजसेवी वार्ड पार्षद सीमा देवी ने भी इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने-अपने विचार व्यक्त किए। मंच में आमंत्रित अतिथियों के द्वारा देवघर नगर निगम के मेयर रवि रावत एवं वार्ड पार्षद के साथ -साथ

बासुकीनाथ नगर-पंचायत की अध्यक्षा वीणा देवी उपाध्यक्ष रोहित कुमार राउत, केशव कुमार, श्वेता मिश्रा, पांचू दास, निकेश मंडल, पिंकी देवी, महामुनि,

बेबी देवी, अनिल कुमार, मनोज राव, मनिषा पंडा एवं सुसील मरांडी आदि पार्षदों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पटेल सेवा संस्थान बासुकीनाथ के अध्यक्ष समाजसेवी विशंभर राव, समाजसेवी निरंजन कुमार मंडल, समाजसेवी अनूप लाल मंडल, समाजसेवी कुंदन कुमार पत्रलेख, समाजसेवी कुंदन कुमार झा, समाजसेवी सारंगा झा, समाजसेवी रमेश कुमार मिश्रा सहित क्षेत्र के आम जनता उपस्थित थे. कार्यक्रम मेंमंच संचालन समाजसेवी सुभाष चन्द्र राव एवं समाजसेवी मांगन प्रसाद राव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन समाजसेवी अशोक कुमार राउत ने किया।

सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के मजबूत स्तंभ थे बाबा साहब : डॉ अमरेन्द्र

दुमका : राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित डीसी चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने भाग लिया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के सशक्त स्तंभ थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में अन्याय, भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाने का कार्य किया। उनका जीवन और विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और वंचित समाज के सच्चे मसीहा भी थे। उनके आदर्शों को आत्मसात कर ही एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की स्थापना संभव है।

कार्यक्रम में कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रमोद पंडित, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मो. जमील अख्तर, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष उपेंद्रनाथ मंडल, उपाध्यक्ष पानेशल टुडू, महासचिव पंकज यादव एवं ललित यादव, नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह ह्यचंचलह्व, जिला सचिव दिनेश मिश्रा, प्रदीप सिंह, बैकुंठ शर्मा, जुलकर अंसारी, सूरज कुमार दास, अमित कुमार वर्मा, रंजन कुमार, बालमुकुंद राय सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कम्फर्ट और

पर्सनैलिटी ही मेरे लिए फैशन : सहर बंबा

आर्यन खान के सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लीड रोल निभाने वाली एक्ट्रेस सहर बंबा ने कहा कि वह इंटरनेट पर फैशन और खुद को फैशन एक्सपर्ट बताने वालों के साथ ही ट्रोलर्स का भी बिल्कुल प्रेशर नहीं लेतीं। एक फैशन इवेंट के एडिशन में शिवानी निरुपम के लिए शो स्टॉपर के रूप में रैंप वॉक करती हुई सहर बंबा नजर आईं, जहां उन्होंने बातचीत में अपने विचार साझा किए।

वह फैशन के प्रेशर से कैसे निपटती हैं? इस सवाल के जवाब में सहर ने कहा, 'अगर आप हर बार घर से निकलते समय यह सोचते रहेंगे कि मेरे ड्रेस सेंस या फैशन को देखकर कोई कुछ लिख देगा या ट्रोल करेगा, तो आप खुद पर बेवजह बहुत ज्यादा प्रेशर डाल रहे हैं। यह सच्चाई है कि लोग कमेंट करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इंसान को बस साफ-सुथरा और प्रेजेंटेबल दिखना चाहिए। मैं खुद इस बात का बिल्कुल भी प्रेशर नहीं लेती।' ब्रांडेड कपड़ों पर खर्च करने के बारे में पूछे जाने पर सहर बंबा ने बताया, 'मैं बिल्कुल भी ब्रांड कॉन्शस नहीं हूं। जब मुझे कोई चीज पसंद आ जाती है, खासकर छुट्टियों या सफर के दौरान, तो मैं उसे खरीद लेती हूं। जो दिल को अच्छा लगे, वही मेरे लिए फैशन है। मेरी पसंद ऐसी ही है। अपने फैशन स्टाइल के बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए फैशन का मतलब है कम्फर्ट। वो कपड़े जो मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा हों और जिनमें मुझे बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। फैशन वो नहीं होना चाहिए जिसके लिए आपको रोजाना परेशान होना पड़े। रैंप वॉक से पहले बैकस्टेज के अनुभव पर बात करते हुए सहर ने कहा कि वह शुरू में बहुत नर्वस थीं। उन्होंने बताया, 'मैं ज्यादातर बैकस्टेज ही रहती हूं, लेकिन जैसे ही रैंप पर कदम रखती हूं और म्यूजिक बजता है, मुझे अच्छा महसूस होने लगता है। इस बार का कलेक्शन बहुत खूबसूरत है। गर्मियों का कलेक्शन होने की वजह से इसमें हल्के और सुंदर रंग हैं। मुझे अपना आउटफिट बहुत पसंद आया।

राजपाल यादव ने अवॉर्ड शो विवाद पर तोड़ी चुप्पी, बोले-

ये सिर्फ एक एक्ट था, किसी को गलत ना समझें

हाल ही में एक अवॉर्ड शो के दौरान हुए विवाद ने अभिनेता राजपाल यादव को लेकर काफी चर्चा पैदा कर दी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यह दावा किया गया कि मंच पर मजाक के नाम पर उनका अपमान किया गया। कई लोग इस घटना से नाराज दिखे और शो के होस्ट्स पर सवाल उठाने लगे। अब खुद राजपाल यादव ने इस विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। राजपाल यादव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''मैं खुशकिस्मत था कि मुझे कुछ दिन पहले स्क्रीन अवॉर्ड्स में जाने का मौका मिला। मुझे वहां पूरी इंडस्ट्री से मिलने का मौका मिला। वहां डांस, स्किट और सिंगिंग का मौहाल था। शो में कई तरह के एक्ट्स चल रहे थे, जिनका मकसद लोगों का मनोरंजन करना था। उसी दौरान एक एक्ट भी किया गया, जिसमें मैं खुद शामिल था। राजपाल यादव ने बताया कि इस एक्ट में मंच पर सौरभ द्विवेदी और जाकिर खान भी थे। इस एक्ट का मकसद दुनिया की मौजूदा स्थिति को हल्के-फुल्के अंदाज में दिखाना था। आज के समय में दुनियाभर में युद्ध और आर्थिक उतार-चढ़ाव चल रहा है, जिसका असर आम आदमी पर पड़ता है। इसी बात को लेकर हमने एक छोटा सा नाटक तैयार किया था, ताकि दर्शकों को सोचने के साथ-साथ हंसी भी आए। उन्होंने कहा, ''कई बार फिल्मों या स्टेज पर किया गया सीन दर्शकों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पाता। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जहां लोगों ने उस एक्ट को असल घटना समझ लिया। इसी वजह से सोशल मीडिया पर गलतफहमी फैल गई और लोगों ने होस्ट्स को निशाना बनाना शुरू कर दिया। राजपाल यादव ने कहा, ''सौरभ द्विवेदी और जाकिर खान मेरे छोटे भाइयों जैसे हैं और उन्होंने हमेशा मेरा सम्मान किया है। इन दोनों कलाकारों ने मंच पर हमेशा आदर दिया है और पूरे ऑडिटोरियम को खड़े होकर तालियां बजाने के लिए प्रेरित किया। मैं इन दोनों को दिल से मानता हूं और इनके खिलाफ कुछ भी गलत सुनना मुझे अच्छा नहीं लगता। उन्होंने अपने फैंस और दर्शकों से खास अपील करते हुए कहा, ''कृपया किसी भी कलाकार को बिना सच्चाई जाने ट्रोल न करें और न ही किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाएं। अगर कोई सौरभ या जाकिर के बारे में कुछ गलत कहता है, तो उससे मुझे दुख होगा।

दर्शकों के पास अब पूरी आजादी है कि वे फिल्मी पर्दे चुनें या ओटीटी : कुब्रा सैत

बॉलीवुड और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शकों के पास अब विकल्प हैं कि वे किसी कहानी को बड़े पर्दे पर देखें या सीधे अपने फोन या टीवी पर। इस बदलते दौर में अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपने विचार साझा किए हैं, जो फिल्म और ओटीटी के बीच की बहस में नए दृष्टिकोण को सामने लाते हैं। उन्होंने बताया कि कहानी और पात्रों के साथ भावनात्मक जुड़ाव ही सबसे महत्वपूर्ण होता है और माध्यम इस जुड़ाव को प्रभावित नहीं करता। आईएएनएस से बात करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, 'दर्शकों के पास अब पूरी आजादी है कि वे किसी भी माध्यम को चुनें। अगर कहानी दिल को छूती है, तो यह मायने नहीं रखता कि वह फिल्म के पर्दे पर है या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर। असली सवाल यह है कि दर्शक कहानी से कितना जुड़ जाते हैं और उसके किरदारों को कितनी गहराई से महसूस करते हैं।'' जब उनसे पूछा कि फिल्म बनाम ओटीटी में कौन बेहतर है, तो कुब्रा ने कहा, 'इसमें कोई विजेता या हारने वाला नहीं है। यह बस अलग-अलग माध्यम हैं। दोनों माध्यमों का अपना महत्व है और दर्शक अपने अनुभव के हिसाब से इसे चुनते हैं। कुब्रा ने कहा, 'वास्तविक भावनात्मक जुड़ाव ही सबसे महत्वपूर्ण है। चाहे कहानी फिल्मों में हो या ओटीटी पर, दर्शक का अनुभव वही तय करता है कि वे कितने प्रभावित होते हैं। अगर कहानी दिल को छूती है, किरदार सजीव महसूस होते हैं और दर्शक उसमें खुद को जोड़ पाते हैं, तो माध्यम का कोई बड़ा असर नहीं पड़ता। कुब्रा ने सोशल मीडिया के प्रभाव पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, ''आज सोशल मीडिया ने अभिनेत्रियों और कलाकारों के लिए बॉडी स्टैंडर्ड्स के दबाव को बढ़ा दिया है। लोग प्लेटफॉर्म को ही दोष देते हैं, जबकि असल में हम खुद को लेकर असुरक्षा महसूस करते हैं। मेरा मानना है कि आत्मविश्वास और खुद पर भरोसा ही असली सुरक्षा है। उन्होंने कहा, ''मैं अपने शरीर को केवल बेसिक फिटनेस तक सीमित रखती हूं।

रात साथ बिताने के लिए

मिल रहा 50 लाख रुपये का ऑफर

'वड़ा पाव गर्ल' यानी चंद्रिका दीक्षित ने हाल ही में उन्होंने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें काम के बदले उन्हें कॉन्प्रोमाइज करने का ऑफर मिला था और एक रात बिताने के लिए 50 लाख रुपये का ऑफर मिला है।

'वड़ा पाव गर्ल' पिछले काफी समय से चर्चा में हैं और वो भी निगेटिव वजहों से। 'वड़ा पाव गर्ल' के नाम से फेमस चंद्रिका दीक्षित ने दावा किया है कि एक बिजनेसमैन ने उन्हें एक रात के लिए कई लाख रुपये और एक रिसॉर्ट का ऑफर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रड्यूसर और डायरेक्टर ने भी इसी तरह के कॉम्प्रोमाइज के ऑफर दिए हैं। हाल ही में चंद्रिका ने अपने पति पर बेवफाई का आरोप लगाया था। चंद्रिका युगम से अलग हो चुकी हैं और उन्होंने पति युगम को लेकर कई खुलासे किए थे। वहीं पति ने भी उनपर कई आरोप लगाए। इन्हीं तू-तू मैं-मैं के बीच वड़ा पाव गर्ल' ने एक बड़ा खुलासा किया है उन्हें कॉम्प्रोमाइज करने का ऑफर मिला था, जिसके बदले में उन्हें सामने वाले ने काफी मोटी रकम देने की बात कही थी।

सिद्धार्थ कन्नन ने पूछा- आपको 50 लाख रुपये ऑफर हुए थे?: दरअसल चंद्रिका के इस बयान को लेकर उनका एक पुराना वीडियो सामने आया था, जिसपर सिद्धार्थ कन्नन ने फिर से सवाल किया। सिद्धार्थ कन्नन ने उनसे पूछा कि क्या सच में आपको 50 लाख रुपये ऑफर हुए थे? अपने इस इंटरव्यू में चंद्रिका दीक्षित ने कहा, 'एक अच्छा-खासा बिजनेसमैन था। आपको मेल का स्क्रीनशॉट भी दे दूंगी। वो रिजॉर्ट दे रहा था और उसने कहा था कि कंडीशन और सिचुएशन आपकी, जगह मेरी। चंद्रिका मैं आपको 50 लाख ऑफर कर रहा हूं, बाकी आप बताइए।'

'आगे बढ़ना है तो कॉम्प्रोमाइज तो करना ही पड़ेगा'

वड़ा पाव गर्ल ने अपने इस ऑफर के बारे में बताते हुए कहा, 'ये ऑफर उन्हें प्रोफेशनली इमेल के जरिए आया था।' चंद्रिका के मिस्ट्री मैन सैफी भी साथ थे और उन्होंने बताया कि चंद्रिका को कुछ डायरेक्टर्स और प्रड्यूसर्स भी कॉल करके कॉम्प्रोमाइज करने का ऑफर दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि किसी ने उन्हें दुबई भी बुलाया था। चंद्रिका ने आगे बताया कि इस तरह का ऑफर देने वाले ने उन्हें ये भी सलाह दी कि अगर आगे बढ़ना है तो कॉम्प्रोमाइज तो करना ही पड़ेगा, नहीं तो करियर में आगे नहीं बढ़ पाओगी। वड़ा पाव गर्ल ने अपनी बातें आगे रखते हुए कहा कि ये तो फैक्ट है, गंदगी मचा रखी है।

'लोग बोलते हैं- एक बार तो कॉम्प्रोमाइज करना ही पड़ेगा'

चंद्रिका ने ये भी कहा, 'लोग कहते हैं आपको ऐसे आगे बढ़ने नहीं देंगे, पॉइंट है। ब्रैंड शूट में भी ऐसा होता है, लोग बोलते हैं एक बार तो कॉम्प्रोमाइज करना ही पड़ेगा। बोलते हैं कि पैसे बोलो आप कितने लोगे। ढाई साल की बच्ची को नहीं छोड़ रहे, तीन साल की बच्ची को नहीं छोड़ रहे

'तुम हो ना' से टीवी पर वापसी करेंगे राजीव खंडेलवाल, जल्द शुरू होगा नया रियलिटी शो

एक बिल्कुल नया रियलिटी गेम शो 'तुम हो ना' आने वाला है। इस शो को 'कहीं तो होगा' फेम राजीव खंडेलवाल होस्ट करेंगे। इस शो को लेकर राजीव ने खास बाते बताई हैं। टीवी के प्रसिद्ध अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने पहले भी कई गेम शोज होस्ट किए हैं। अब वह एक नए रियलिटी गेम शो की मेजबानी करते नजर आएंगे।

नए शो को लेकर राजीव की राय

राजीव खंडेलवाल ने कहा, 'कई साल में मुझे कई तरह के रोल ऑफर मिले। कुछ प्रयोगात्मक थे तो कुछ बहुत अलग-अलग। लेकिन मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी और वही काम चुना जो मुझे सच में मायने रखता हो। 'तुम हो ना' शो के साथ टीवी पर वापसी करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं एक बहुत सुंदर शो लेकर आ रहा हूं जो मेरे दिल के बहुत करीब है।' यह शो जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर शुरू होगा।

राजीव ने कई शोज को किया है होस्ट

राजीव खंडेलवाल ने मुख्य रूप से 5 से अधिक प्रमुख टीवी रियलिटी शो और टॉक शोज को होस्ट किया है। उनके चर्चित होस्टिंग प्रोजेक्ट्स में 'डील या नो डील' (2006), 'सच का सामना' (सीजन 1 और 2), 'सुपर कार्स, माय एंडेवर' (2013), और 'जज्बात' (2018) शामिल हैं। उन्होंने 2016 में 'द लीजेंड ऑफ जगन्नाथ' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी होस्ट की है।

राजीव खंडेलवाल का करियर

राजीव खंडेलवाल एक भारतीय फिल्म और टेलीविजन अभिनेता और होस्ट हैं, जिन्होंने 'कहीं तो होगा' (2003-2005) से घर-घर में पहचान बनाई। उन्होंने टीवी से अभिनय करियर की शुरुआत की, फिर 'आमिर' (2008) से बॉलीवुड में कदम रखा। 'शैतान' (2011), 'टेबल नंबर 21' (2013), 'सम्राट एंड कंपनी' (2014), 'फीवर' (2016) और 'ब्लडी डैडी' (2023) के साथ-साथ 'सच का सामना' जैसे रियलिटी शो होस्ट कर उन्होंने बहुमुखी प्रतिभा दिखाई है। अब वह नए शो 'तुम हो ना' को होस्ट करते नजर आएंगे।

आईपीएल 2026: धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुमार्ना

चेन्नई : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुमार्ना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई।

इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुमार्ना भी लगाया गया।

पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

लिवरपूल : पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया। डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा। मैच में बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल

कर टीम की जीत पक्की कर दी।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा,'चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा। इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा।

लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनल्टी का मौका भी मिला, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर के खिलाफ फाउल दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे घरेलू टीम की उम्मीदों को झटका लगा। लिवरपूल के कोच आर्ने स्लॉट ने कहा,'हम निराश हैं, क्योंकि दूसरे हाफ में ऐसा लग रहा था कि अगर हम एक गोल कर देते, तो मैच का रुख बदल सकता था। लेकिन हमारी टीम का भविष्य उज्ज्वल है और हमने दिखाया है कि हम यूरोप के चैंपियन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

पीएसजी ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस समय यूरोप की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और अब उसकी नजरें लगातार दूसरे खिताब पर टिकी हैं।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली : फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे

विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया। मुकाबले की शुरूआत गिरी ने 1.f4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में सड़क हादसा, सात की मौत, 21 घायल

एजेंसी

चंडीगढ़ : पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में बीती रात हुए सडक हादसे में सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 21 लोग घायल हो गए। मृतकों में दो सगे भाई तथा पांच व्यक्ति एक ही गांव के हैं। सभी पीड़ित आनंदपुर साहिब में बैसाखी कार्यक्रम में भाग लेकर लौट रहे थे। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकतर श्रद्धालुओं को गांव मैणमाजरा में उतरना था लेकिन करीब दो किलोमीटर पहले यह हादसा हो गया। वैसाखी के अवसर पर आनंदपुर साहिब में आयोजित कार्यक्रम में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। देररात कीर्तन दरबार तथा लंगर के बाद श्रद्धालु

बसों में सवार होकर अपने-अपने घरों को लौटे। फतेहगढ़ साहिब से आई एक बस में करीब 40 श्रद्धालु सवार थे। इनमें से अधिकतर को गांव मैणमाजरा में उतरना था। बस जैसे ही गांव हिम्मतपुरा के पास पहुंची तो उसमें तकनीकी खराबी आ गई और वह खंभे से टकराकर पलट गई। कुछ घायलों ने दावा किया है कि खंभे से टकराने के बाद बस में करंट आ गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया और अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किए। पुलिस ने 12 घायलों को मोरिंडा और 9 को फतेहगढ़ साहिब के अस्पतालों में पहुचाया । गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया गया है। एसएसपी डॉ.शुभम अग्रवाल के अनुसार, मैण माजरा में जहां श्रद्धालुओं ने उतरना था वो सिर्फ 1.5 किलोमीटर की दूरी पर था। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग व पुलिस अधिकारी मौके पर आए। घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे में गांव मैण माजरी के रहने वाले जगविंदर सिंह, गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथी इकबाल सिंह, लखबीर सिंह, हरवीर सिंह, परदीप कौर और रणजीत कौर की मौत हो गई। इसके साथ कज्जल माजरा गांव के कुलविंदर सिंह की भी जान चली गई। मृतकों में लखबीर सिंह और हरवीर सिंह सगे भाई थे।

कानपुर में टक्कर मारने के बाद ऑटो पलटा, दो बहनें घायल

कानपुर : उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत देर रात तेज रफ्तार अनियंत्रित ऑटो ने दो बहनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो उन्हीं के ऊपर पलट गया और दोनों बहने गयीं। राहगीरों ने दोनों को बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैलट रेफर कर दिया। पुलिस आरोपित ऑटो चालक से पूछताछ कर रही है। चकेरी के सनिगवां इलाके में रहने वाले अकबर खान ने बुधवार को बताया कि परिवार में चचेरे भाई के बेटे की शादी होनी है, जिसे लेकर तैयारियां काफी जोरों शोरों से चल रही हैं। ऐसे में उनकी पत्नी शबाना अपनी दो बेटियों बुसरा और समरा के साथ किसी आवश्यक कार्य के लिए लाल बंगला गई थीं। वापसी के दौरान रामादेवी चौराहे पर ऑटो का इंतजार कर रही थी ऐसे में एक तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी और फिर उन्ही पर पलट गया। गनीमत की बात यह रही कि शबाना को इस घटना में किसी तरह की कोई चोट नहीं आई, लेकिन दोनों बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गई। गुस्साई भीड़ ने ऑटो चालक की पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में थाना प्रभारी अजय प्रकाश राय ने बताया कि ऑटो चालक को हिरासत को लेकर पूछताछ की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत देने 23 समर स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी

रायपुर : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग स्टेशनों से होकर गुजरने वाली 11 जोड़ी (कुल 23) समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन रायपुर और बिलासपुर के रास्ते चलेगी, जिससे उत्तर भारत जाने वाले यात्रियों को आसानी होगी।यह ट्रेन 19 अप्रैल से 29 जून, 2026 तक कुल 11 फेरों के लिए चलेगी। दुर्ग (08743)से यह हर रविवार को सुबह 11:00 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 17:30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। हरिद्वार (08744)से यह हर सोमवार को प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन रायपुर, भाटापारा, उस्लापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल, कटनी मुड़वारा, सागर, झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट और दिल्ली (हजरत

निजामुद्दीन) जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी। इसमें फर्स्ट एसी, 2nd एसी, 3nd एसी, स्लीपर और जनरल कोच सहित कुल 24 कोच होंगे। तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति स्पेशल ट्रेन दक्षिण भारत को उत्तर-पूर्वी बिहार से जोड़ेगी, जो रायपुर और बिलासपुर से होकर गुजरेगी।13 अप्रैल से 28 मई, 2026 तक इसका सञ्चालन किया जायेगा। यह (ट्रेन संख्या 07051) तिरुपति से हर सोमवार सुबह 08:15 बजे निकलेगी और अगले दिन (मंगलवार) गोंदिया 09:10 बजे , दुर्ग 11:50, रायपुर 12:30 और बिलासपुर 14:25 बजे पहुंचेगी। इसका रक्सौल आगमन बुधवार शाम 17:00 बजे होगा। रक्सौल से हर गुरुवार तड़के 03:15 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार सुबह 09:30 बजे इसका तिरुपति आगमन होगा। इसके अलावा हैदराबाद-रक्सौल, शालीमार-पुरी और अन्य लंबी दूरी की ट्रेनें भी इस सूची में शामिल हैं।इनमें इतवारीझमालदा टाउन स्पेशल-19, 20, 26 अप्रैल को ,इतवारी-शालीमार एक्सप्रेस-2 अप्रैल झ 26 जून को ,एलटीटी-संतरागाछी स्पेशल-21 अप्रैल - 16 जुलाई को ,पटना-चर्लपल्ली स्पेशल-8 अप्रैल - 27 मई तथा हटिया-एलटीटी-हटिया -20 अप्रैल एवं 17 जून को संचालन शामिल है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रबंधन ने बताया है कि ये ट्रेनें कुल 86 फेरों (172 दिनों) के लिए संचालित की जाएंगी। इन ट्रेनों के चलने से अब यात्रियों को महानगरों के लिए कनेक्टिंग ट्रेनों पर निर्भर नहीं रहना

बंगाल नववर्ष पर ममता बनर्जी ने दी शुभकामनाएं, चुनाव से पहले मतदाताओं से की अपील

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाली नववर्ष के अवसर पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं देते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया है। इस संदेश में उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने पर जोर दिया।

ममता बनर्जी ने अपने संदेश में कहा कि बंगाल हमेशा से कला, संस्कृति और सर्वधर्म समन्वय की भूमि रहा है, लेकिन कुछ ह्लअशुभ शक्तियांह्व इसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीना जा रहा है और जनता को इसका लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे सभी तरह की संकीर्णताओं को छोड़कर एकजुट हों और राज्य की शांति, परंपरा और आपसी सौहार्द को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि कोई भी विभाजनकारी या निरंकुश ताकत इस एकता को तोड़ न सके, इसके लिए सभी को सतर्क रहना होगा। साथ ही ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में मतदाताओं से अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को ह्लजोड़ाफूलह्व चुनाव चिह्न पर वोट देकर विजयी बनाने का आग्रह भी किया।

बंगाल में अमित शाह की चार जनसभाएं, स्मृति ईरानी, निर्मला और अनुराग भी करेंगे चुनाव प्रचार

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बुधवार को उत्तर बंगाल के दौरे पर चार अहम जनसभाओं को संबोधित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह सुबह 11:30 बजे दार्जिलिंग के लेबोंग ग्राउंड में पहली सभा करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे जलपाईगुड़ी के राजगंज, 2:30 बजे फालाकाटा और शाम चार बजे तूफानगंज में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी इन सभाओं को चुनावी लिहाज से काफी महत्वपूर्ण मान रही है। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी बुधवार को कोलकाता और हुगली में रोड शो के साथ ही प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और

दोपहर 12:15 बजे राजारहाट स्थित नोवोटेल में मीडिया से बातचीत करेंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी आज राज्य के दौरे पर रहेंगी। वह कालना और श्रीरामपुर में बुनकरों से मुलाकात कर उनके साथ संवाद करेंगी और लाभार्थियों को वीवर कार्ड वितरित करेंगी। इसके अलावा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर कोलकाता में रोड शो करने के साथ ही शाम को मैदान स्थित कस्टम क्लब में खेल जगत से जुड़े लोगों के साथ बैठक करेंगे।

राजस्थान बोर्ड की 10वीं-12वीं पूरक परीक्षाएं 14 मई से, 15 अप्रैल से आवेदन लिंक सक्रिय

एजेंसी

अजमेर, 15 अप्रैल (हि.स.)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 10वीं और 12वीं की पूरक (सप्लीमेंट्री) परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। बोर्ड के अनुसार पूरक परीक्षाएं 14 मई 2026 से शुरू होंगी। इसके लिए 15 अप्रैल से आवेदन लिंक सक्रिय किया जाएगा। बोर्ड सचिव ने बताया कि विद्यालय और परीक्षार्थी मूल अंकतालिका का इंतजार किए बिना समय पर परीक्षा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया पूरी करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। सामान्य परीक्षा शुल्क के तहत 15 से 22 अप्रैल तक शालाओं द्वारा चालान मुद्रित किए जा सकेंगे, जबकि शुल्क बैंक में जमा कराने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल निर्धारित की गई है। वहीं विलंब से शुल्क जमा कराने वाले परीक्षार्थियों के लिए अतिरिक्त शुल्क के साथ 23 से 27 अप्रैल तक चालान मुद्रण की सुविधा दी जाएगी और बैंक में शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल तय की गई है।

नियमित परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 600 रुपये तथा स्वयंपाठी (प्राइवेट) परीक्षार्थियों के लिए 650 रुपये रखा गया है। प्रायोगिक परीक्षा के लिए 100 रुपये प्रति विषय अलग से देने होंगे। योग्यजन (दिव्यांग), युद्ध में वीरगति प्राप्त या अपाहिज सैनिकों के पुत्र/पुत्रियां तथा पुलवामा हमला में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को परीक्षा शुल्क से छूट दी गई है। हालांकि उन्हें 50 रुपये टोकन शुल्क जमा कराना होगा।

परीक्षार्थी किसी भी जानकारी के लिए बोर्ड के कंट्रोल रूम नंबर 0145-2632866, 2632867, 2632868 पर संपर्क कर सकते हैं।

रीवा में आज रोजगार मेले के आयोजन युवाओं का चयन करेंगी 20 कंपनियां

एजेंसी

रीवा : मध्य प्रदेश के रीवा जिले में युवा संगम कार्यक्रम के तहत जेएनसीटी कॉलेज रतहरा में आज (बुधवार) सुबह 11बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला रोजगार उप संचालक अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 20 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते सात हजार रुपये से 35

हजार रुपये तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ समग्र आईडी, मूल अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में ब्रोक्स इंडिया प्रा.लि. झागड़िया, ओत्सुका फार्मास्युटिकल इंडिया प्रा.लि. अहमदाबाद गुजरात, जेके टायर्स मुरैना, बंसल वायर इन्डस्ट्रीज लि. ग्रेटर नोयडा, आमधनी प्रा.लि. एमआरएफ टायर्स दहेज गुजरात, आमधनी प्रा. लि. आपोलो टायर्स लि. बड़ोदा गुजरात तथाआमधनी प्रा. लि. सोलर प्लांट अहमदाबाद बाबला गुजरात की कंपनियाँ शामिल हो रही हैं। रोजगार मेले में आमधनी बजाज आटो लिमि. पुणे महाराष्ट्र, सिन्टेक्स इंस्ट्रीज लि. जाफराबाद गुजरात, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, कास्टएनएक्स प्रा. लि. इंदौर, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एसबीआई लाइफ एश्योरेंस रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, सीआईआई एमसीसी इंदौर, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड रीवा, धूत ट्रांसमिशन प्रा. लि. औरंगाबाद, संजीव आटो प्रा. लि. वालुज महाराष्ट्र तथा बजाज लाइफ इंश्योरेंस प्रा. लि. रीवा की कंपनियां भी शामिल होंगी।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया के संकट को खत्म करने के लिए ईरान से दोबारा बातचीत शुरू करने का संकेत देने की वजह से दुनिया भर के बाजार की तरह घरेलू शेयर बाजार में भी आज उत्साह बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। इसके बावजूद बाजार लगातार जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता रहा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.71 प्रतिशत और निफ्टी 1.67 प्रतिशत की

मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, एचडीएफसी लाइफ, मैक्स हेल्थकेयर, लार्सन एंड टूब्रो और टीसीएस के शेयर 4.60 प्रतिशत से लेकर 3.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, ओएनजीसी, कोल इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 1.38 प्रतिशत से लेकर 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,829 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,639 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 190 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर सिर्फ एक शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और चार शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 1,133.53 अंक की मजबूती के साथ 77,981.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही यह सूचकांक उछल कर 78,270.42 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली होने के कारण सेंसेक्स की चाल में गिरावट भी आई। बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक फिसल कर 77,849.52 अंक के स्तर पर पहुंचा। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर लगाया, जिससे सूचकांक की रफ्तार दोबारा बढ़ने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 1,313.62 अंक की बढ़त के साथ 78,161.19 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 321.15 अंक उछल कर 24,163.80 के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 115 अंक से अधिक उछल कर 24,280.90 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू होने पर निफ्टी लुढ़क कर 24,145.80 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे यह सूचकांक दोबारा कुलांचे भरने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 397.65 अंक की तेजी के साथ 24,240.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,847.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,842.65 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

अमेठी : आटा मिल के अंदर युवक का शव मिलने से हड़कंप

अमेठी : उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र त्रिसुंडी स्थित भालोटिया फ्रूट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही में लगी हुई है। मृतक की पहचान प्रियंक कुमार मिश्रा (21) पुत्र राजेश कुमार मिश्रा निवासी ग्राम इब्राहिमपुर, थाना रामनगर, जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक पिछले एक सप्ताह से उक्त आटा मिल में लेबर के रूप में कार्य कर रहा था। जैसे ही मिल के लोगों ने युवक को जीने के नीचे फांसी के फंदे से लटकता हुआ देखा तो तत्काल पुलिस को सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाकर कब्जे में ले लिया। आवश्यक पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के संबंध में थाना रामगंज के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

बिहार में पूरा होगा पंडित दीनदयाल का सपना : पूर्व केन्द्रीय मंत्री

मथुरा : बिहार में नए मुख्यमंत्री को शपथ लेने में कुछ ही घंटे बचे हैं। जल्द ही बिहार मे बीजेपी का मुख्यमंत्री शपथ लेगा और एनडीए की सरकार बनेगी। पंडित दीनदयाल का सपना साकार होगा। ये बातें पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने मथुरा के फरह स्थित गो ग्राम परखम में आयोजित श्रीराम कथा श्रवण के पश्चात कही। गौरतलब हो कि 15 अप्रैल से महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का श्रवण करा रहे हैं। कथा श्रवण के पश्चात पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आपातकाल के बाद देश में बड़ा परिवर्तन हुआ था। देश की प्रगति में बिहार की बड़ी हिस्सेदारी है। अब नीतीश कुमार राज्यसभा में आकर देश को नई दिशा देने का कार्य करेंगे। मोदी जी राम हैं तो नीतीश लक्ष्मण हैं। ये राम-लक्ष्मण की जोड़ी देश को विकसित भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल 1968 में बिहार आ रहे थे तभी रास्ते में उनकी रहस्यमय तरीके से मौत हो गई थी। आज दीनदयाल जी की परिकल्पना साकार होने जा रही है कि बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा।

नारी शक्ति वन्दन अधिनियम को लेकर आज विविध कार्यक्रम, मुख्यमंत्री साय होंगे शामिल

रायपुर : नारी शक्ति वन्दन अधिनियम को लेकर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज बुधवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम के टाउन हॉल में कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम की प्रभारी रायपुर महापौर मीनल चौबे एवं पार्षद कृतिका जैन ने बताया कि आज दोपहर 12 बजे आजाद चौक से स्कूटी रैली निकलेगी जो पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संपन्न होगी। दोपहर 2 बजे ऑडिटोरियम में टाउन हॉल कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। टाउन हॉल कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, पद्मश्री उषा बारले, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डूमरे, डॉ. शुभ्रा मिश्रा, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, सांसद रूपकुमारी चौधरी मौजूद रहेंगीं। टाउन हॉल कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात नारी शक्ति पदयात्रा शाम 5 बजे निकाली जाएगी जो अनुपम गार्डन में सम्पन्न होगी

बांग्लादेश में कच्चे तेल की कमी, ईस्टर्न रिफाइनरी की दो इकाइयों में उत्पादन रोकना पड़ा

ढाका : बांग्लादेश की एकमात्र सरकारी तेल रिफाइनरी 'ईस्टर्न रिफाइनरी लिमिटेड' में कच्चे तेल की कमी के कारण उत्पादन रोक दिया गया है। यह रिफाइनरी चटगांव (अब चटोग्राम) में है। रिफाइनरी की दो मुख्य इकाइयों में मंगलवार दोपहर को उत्पादन निलंबित कर दिया गया। हालाकि, तीसरी इकाई आंशिक रूप से चल रही है और बहुत कम मात्रा में पेट्रोल और ऑक्टेन का उत्पादन कर रही है। ऊर्जा और खनिज संसाधन प्रभाग के प्रवक्ता मोनीर हुसैन चौधरी ने इसकी पुष्टि की। रिफाइनरी के किसी भी अधिकारी ने इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। ढाका ट्रिब्यून की सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट के अनुसार, यह संकट कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी के कारण पैदा हुआ है। यह संकट मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष से जुड़ी बाधाओं के कारण और भी गहरा गया है। कच्चे तेल की एक खेप सऊदी अरब में फंसी हुई है। इसके कारण इस महीने की शुरूआत से ही मौजूदा भंडार में कमी आने लगी है।रिफाइनरी 5 अप्रैल से ही वैकल्पिक उपायों के सहारे काम चला रही थी। ईस्टर्न रिफाइनरी आमतौर पर प्रतिदिन लगभग 4,500 टन कच्चे तेल को प्रोसेस करती है, जिससे ऑक्टेन, पेट्रोल, डीजल और फर्नेस ऑयल सहित लगभग 13 प्रकार के ईंधन का उत्पादन होता है। कच्चे तेल की कमी के कारण पिछले एक महीने से उत्पादन पहले ही घटकर लगभग 3,500 टन प्रतिदिन रह गया है। बताया गया है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण पैदा हुई अस्थिरता के चलते पिछले लगभग दो महीनों से कच्चे तेल का आयात रुका हुआ है। अगली खेप मई के पहले सप्ताह में आने की उम्मीद है। रिफाइनरी की कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता लगभग 150,000 टन है, और यह 250,000 टन तक परिष्कृत ईंधन का भंडारण कर सकती है। सरकार का कहना है कि रिफाइनरी के बंद होने के बावजूद देश में ईंधन की कमी का कोई तत्काल खतरा नहीं है। देश में परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है।यहां तक कि संघर्ष शुरू होने के बाद से सरकार ने ऊंची कीमतों पर भी इन उत्पादों की खरीद की है।

वेदांता पावर प्लांट हादसा: कांग्रेस ने गठित की जांच समिति, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को सौंपी जिम्मेदारी

सक्ती : सक्ती जिले में वेदांता लिमिटेड के पावर प्लांट में हुए भीषण हादसे को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी अपनी जांच समिति गठित कर दी है, जो घटनास्थल का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेगी और वास्तविक स्थिति का आकलन करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर गठित इस समिति की कमान पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को सौंपी गई है। समिति में कुल 9 सदस्य शामिल किए गए हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं और स्थानीय हालात की गहराई से जांच करेंगे। जांच समिति में पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा, चंद्रपुर विधायक रामकुमार यादव, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, जैजेपुर विधायक बालेश्वर साहू, अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह, जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश, सक्ती जिला अध्यक्ष रश्मि गवेल और जांजगीर-चांपा जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल शामिल हैं। कांग्रेस द्वारा गठित यह समिति पीड़ित परिवारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और मांगों को समझेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

रांची विवि की नई कुलपति से आजसू प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार मुलाकात

रांची : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो. सरोज शर्मा से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आजसू प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि कुलपति प्रो. शर्मा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के समग्र विकास, छात्र समस्याओं के समाधान तथा शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।
कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी हितधारकों के सहयोग से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करेंगी।
मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सचिव राजेश सिंह, सक्षम झा, रोशन नायक, महानगर अध्यक्ष अमन साहू, मुकेश, अमित, यश सत्यम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

14 अप्रैल को मां पौड़ी मंदिर में हुई मां की विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता : मां पौड़ी मंदिर में 14 अप्रैल के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना के साथ साथ व्यापक रूप से भोग का वितरण किया गया। वहीं दूर दराज और सुदूर क्षेत्रों से भी काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु उपस्थित हुए और मां की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी सुजीत कुमार के द्वारा मंदिर में घट लाने के साथ ही पूजा अर्चना की गई और माता के जयकारे से सारा माहौल गूंजायमान हो गया तथा भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं के बीच व्यापक रूप से भोग वितरण किया गया साथ ही साथ शीतल-पेय आइस्क्रीम का भी व्यापक प्रबंध किया गया था। मां के दर्शन करने चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव, उपाध्यक्ष विजय साव, वार्ड पार्षद संजय पासवान भी मां के दरबार पहुंचे और पूजा अर्चना की। वहीं मां पौड़ी मंदिर समिति के विवेक चौधरी,जीतू चौहान, अनूप शर्मा, श्रवण ठाकुर,सोनी जयसवाल, गोल्डी सिंह भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और बेहतर ढंग से व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सकारात्मक सहयोग दिया।

बाइक की टक्कर से पैदल चल रहे व्यक्ति की मौत, दो युवक गंभीर

मेदिनीनगर : विश्रामपुर थाना क्षेत्र के भंडार गांव में मंगलवार शाम हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान भंडार निवासी सतीश चंद्र पांडे (50 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सतीश चंद्र पांडे घर के पास सड़क पर टहल रहे थे, तभी विश्रामपुर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार रॉकी प्रजापति और विजय प्रजापति भी अनियंत्रित होकर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तीनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान सतीश चंद्र पांडे की मौत हो गई। वहीं दोनों घायलों का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

हुसैनाबाद में क्रिकेट का महाकुंभ,18 से

हुसैनाबाद : खेल और उत्साह के संगम का गवाह बनने जा रहा है हुसैनाबाद का कपूर्री मैदान, जहां 18 अप्रैल 2026 से स्वर्गीय धर्मदेव राम जी की स्मृति में विधानसभा स्तरीय नॉकआउट नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया जाएगा। आदर्श युवा जागृति मंच के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन शाम 6 बजे हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस. मोहम्मद याकूब मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पलामू लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी जितेंद्र पासवान समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

आयोजन समिति के सचिव पीयूष अग्रवाल ह्यटिंकूह्ल ने जानकारी दी कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र की कुल 16 टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता पूरी तरह नॉकआउट प्रारूप में खेली जाएगी, जहां हर मैच 12-12 ओवर का होगा। खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए फ्लड लाइट की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे रात के समय भी मुकाबले रोमांचक अंदाज में खेले जा सकें।उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है।

उपायुक्त ने किया कोयल अपेरल पार्क की महिलाओं के मासिक मानदेय का भुगतान

मेदिनीनगर : पलामू उपायुक्त समीरा एस एवं उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन तथा२'स्र२ के जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा संयुक्त रूप से कोयल अपेरल पार्क में कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की दीदियों को उनका प्रथम मानदेय भुगतान चेक के माध्यम से किया गया। ज्ञातव्य हो कि वर्षों से बंद पड़े कोयल अपेरल पार्क को खुलवाने के लिए तथा महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के लिए उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त प्रयत्नशील थे, कई कंपनियों से बात करने के बाद अंततः लीजर एंड लाइफ स्टाइल ग्लोबल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को अंडरगार्मेंट सिलाई हेतु चयन किया गया। कोयल अपेरल पार्क चैनपुर में अभी 60 स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा सिलाई का कार्य किया जा रहा है। आगामी छह माह के अंदर 250 और दीदियों को सिलाई के कार्य में लगाने का लक्ष्य है।

आदिवासी स्वशासन व्यवस्था और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुटता का आह्वान

संवाददाता

चक्रधरपुर : कुचुंग-दिशोम माझी-परगना माहाल के तत्वावधान में आंबेडकर जयंती के अवसर पर माझी-परगना भवन, गोविंदपुर में एक विशेष वैचारिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों, जमीन की सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण पर गंभीर मंथन किया गया.कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व आईएएस अधिकारी, समाजसेवी एवं कोल्हान रक्षा संघ के अध्यक्ष डिबार जोंको ने अपने संबोधन में संवैधानिक विसंगतियों पर कड़ा प्रहार किया. उन्होंने कहा यह अत्यंत खेद का विषय है कि आजादी के इतने दशकों बाद भी भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची और पेसा एक्ट 1996 को उसकी मूल भावना के साथ धरातल पर नहीं उतारा गया है.इन कानूनों का अक्षरशः पालन न होना हमारे समाज के पिछड़ेपन का सबसे बड़ा कारण है.उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब इन मुद्दों को केवल

चर्चा तक सीमित न रखकर उचित कानूनी और प्रशासनिक मंचों पर मजबूती से रखा जाए. श्री जोंको ने कोल्हान क्षेत्र के समस्त सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे आपसी मतभेदों को भुलाकर आदिवासी स्वशासन व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए एकजुट हों, क्योंकि यही व्यवस्था हमारे अस्तित्व की ढाल है. कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित किया गया था. प्रथम सत्र में आर्थिक पिछड़ापन, शिक्षा की कमी, सामाजिक चेतना का अभाव और जमीन की असुरक्षा को समाज की सबसे बड़ी बाधाओं के रूप में चिन्हित किया गया.द्वितीय सत्र में समाधानों पर चर्चा करते हुए जुगसलाई-तोरोफ परगना दासमत हांसदा ने कहा कि बदलती डेमोग्राफी के बीच हमें आर्थिक और तकनीकी रूप से सक्षम होना होगा. वहीं, टीएसी सदस्य जोसाई मार्डी ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक पद अस्थायी हैं, जबकि हमारी पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था ही स्थायी शक्ति है.रविंद मंडल ने कहा कि किसी भी समाज का विकास तब होगा जब लोग शिक्षित होंगे. हमें अपने बच्चों को उचित शिक्षा देने की जरूरत है जिससे वे अपने अधिकार को जान सके.उन्होंने कहा आज शिक्षा ही एक ऐसी कुंजी है जो हमें हमारा अधिकार दिला सकता है.कार्यक्रम में माझी बाबाओं ने शिक्षा को ही एकमात्र समाधान बताया. मदन बास्के (कुल्हुडीह) ने भावुक अपील करते हुए कहा, ₹चाहे एक वक्त का खाना कम खाएं, लेकिन बच्चों को स्कूल जरूर भेजें. इस अवसर पर धाड़-दिशोम देश परानिक दुर्गा चरण मुर्मू, पातकोम-दिशोम देश परगना रामेश्वेर बेसरा, सिंज-दिशोम देश परगना फुकीर मोहन टुडू, समाजसेवी नियरेन हेरेंज, श्रीमान नवीन मुर्मू एवं दुर्गा हेंब्रम जी का मुख्य भूमिका रहे, निम्नलिखित व्यक्ति श्रीमान नूना राम माझी चंद्र मोहन मुर्मू, श्रीमती पूनम हेंब्रम अधिवक्ता, जय सिंह हेंब्रम, मानसिंह हेंब्रम, रविंद्र मंडल, बबलु गगराई, सुश्री सुमित्रा जोंको,सहित कुचुंग-दिशोम के परगना पिथो मार्डी, नवीन मुर्मू और विभिन्न गांवों के 80 से अधिक माझी बाबा उपस्थित थे.

पेट्रोल के विवाद में पत्थर से कूचकर की थी युवक की हत्या, दो नाबालिग हिरासत में

संवाददाता

गुमला : चैनपुर प्रखंड के कुरुमगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सिविल गांव स्थित गोटू टोंगरी में मिले अज्ञात शव की गुत्थी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस ने न केवल मृतक की पहचान की, बल्कि इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल दो विधि विरुद्ध बालकों को भी निरुद्ध किया है।बीते दिनों गोटू टोंगरी से एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद हुआ था। हत्यारों ने पहचान छुपाने की नीयत से युवक का चेहरा पत्थर से बुरी तरह कुचल दिया था। कुरुमगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव की शिनाख्त बजरंग उरांव 21 वर्ष के रूप में की, जो गुमला के दुनदुरिया स्थित बैंक कॉलोनी का निवासी था।पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि मृतक बजरंग उरांव सरहुल का त्यौहार मनाने के लिए सकसरी गांव आया हुआ था। इसी दौरान

स्कूटी में पेट्रोल भराने को लेकर उसका विवाद हुआ। यह मामूली विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए कुरुमगढ़ थाना में कांड संख्या- 04/26 दर्ज की गई। पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। पूछताछ के दौरान आरोपी विधि विरुद्ध बालक की निशानदेही पर पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन उसके घर से बरामद कर लिया है।पुलिस ने मोबाइल को विधिवत जब्त करते हुए आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 238() और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। 24 घंटे के भीतर इस अंधे कत्ल का पदार्फाश करने पर स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की सक्रियता की सराहना की है।

मध्य विद्यालय लेस्लीगंज में बाबा साहेब की 135वीं जयंती मनाई गई

संवाददाता

लेस्लीगंज (पलामू): समाजिक क्रांति के महानायक एवं भारतीय संविधान के निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर लेस्लीगंज के मध्य विद्यालय मैदान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बाबा साहब को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद आयोजित सभा में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा समाज के वंचित एवं शोषित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के माध्यम से एक समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।

इस अवसर पर भव्य झांकी जुलूस भी निकाला गया, जिसमें विभिन्न गांवों के लोगों ने भाग लिया। जुलूस पूरे क्षेत्र में भ्रमण करते हुए मध्य विद्यालय मैदान पहुंचा, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों एवं युवाओं ने गीत, नृत्य और भाषण प्रस्तुत कर बाबा साहब के विचारों को जीवंत किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने तथा समाज में शिक्षा और एकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह समारोह सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश देते हुए पूरे क्षेत्र में उत्साह और प्रेरणा का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरयू राम व संचालन प्रेम कुमार ने किया मौके पर कमेश सिंह चेरो, बींरेंद्र राम, बजरंगी सोनी, निर्मल मेहता, सांसद प्रतिनिधि बिनोद राम गीता देवी मुखिया सांगबार, मंगल किशोर,अरविन्द कुमार राम, राहुल कुमार सुजीत कुमार,मनोज राम भरत राम बिपिन कुमार रवि सुदामा महतो राजेंद्र बौद्ध निशांत भास्कर, विनोद कुशवाहा,सहित कई गन्यमान लोग उपस्थित रहे।

62 युवक-युवतियों का दृढ़ीकरण संस्कार सम्पन्न

संवाददाता

कोलेबिरा : प्रखंड के लचरागढ़ स्थित जी.ई.एल. चर्च पास्टोरेट में भव्य दृढ़ीकरण संस्कार समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कुल 62 युवक-युवतियों ने दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण किया,जिनमें 31 युवक और 31 युवतियां शामिल थीं।
समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी उपस्थित रहे,जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में
लचरागढ़ पास्टोरेट चेयरमैन पादरी जुलेन बागे, बोंगराम पास्टोरेट चेयरमैन पादरी प्रदीप केरकेट्टा,ऐडेगा पास्टोरेट चेयरमैन पादरी सुड़ालेन गुड़िया
कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष रावेल लकड़ा एवं लचरागढ़ पंचायत की मुखिया जिरेन मड़की शामिल हुईं। अतिथियों ने 9 डिग्री कारण अभिलाषी को शुभकामना दी तथा कहा कि कोई भी कार्य दृढ़ निश्चय साथ करें जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत करें अपने आत्मिक धार्मिक चेतना को बढ़ाया तथा समाज के विकास में सहयोग

करें।कार्यक्रम की शुरूआत सभी युवक-युवतियों के स्वागत के साथ हुई,जिसके बाद धार्मिक विधि-विधान से संस्कार सम्पन्न कराया गया। दृढ़ीकरण संस्कार कार्यक्रम का संचालन लचरागढ़ पास्टोरेट चेयरमैन पादरी जुलेन बागे, बोंगराम पास्टोरेट चेयरमैन पादरी प्रदीप केरकेट्टा,ऐडेगा पास्टोरेट चेयरमैन पादरी सुड़ालेन गुड़िया तथा धर्म बहनों द्वारा विनती-आराधना के साथ किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत मंडली के सदस्यों ने माला पहनकर एवं स्वागत गान प्रस्तुत कर किया। इससे पूर्व सभी युवक युवती को स्वागत करते चर्च परिषद स्थित समारोह स्थल लाया गया जहां धार्मिक विधि से दर्रीकरण संस्कार आरंभ किया गया। मौके पर उपस्थित पादरियों ने कहा कि दीदी करण संस्कार प्रभु के सानिध्य वह परिवार व समाज में भागीदारी सुनिश्चित कराता है।
मुख्य अतिथि नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि सभी नव दृढ़ीकरण अभिलाषी प्रभु की वाणी को अपने जीवन में उतारें और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करें। उन्होंने युवाओं को मेहनत, दृढ़ निश्चय और आत्मिक विकास पर बल देने की सलाह दी।

हुसैनाबाद में ओवरलोड वाहनों से गिट्टी सड़क पर गिरने से खतरा बढ़ा

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद क्षेत्र में ओवरलोड गिट्टी वाहनों की आवाजाही अब आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी और खतरे का कारण बनती जा रही है।जपला रेलवे ओवरब्रिज पर देवरी रोड की ओर ढलान में

कई दिनों से गिट्टी बिखरी पड़ी है, जिससे रोजाना गुजरने वाले राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि ओवरलोड वाहनों से लगातार सड़क पर गिट्टी गिरती रहती है, जो छोटे वाहनों, खासकर बाइक और स्कूटर चालकों के लिए फिसलन और दुर्घटना का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को पहले भी सोशल मीडिया के माध्यम से उठाया गया था, लेकिन अब तक न तो गिट्टी की सफाई की गई है और न ही ओवरलोडिंग पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। राहगीरों का कहना है कि अगर जल्द ही इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी समय हादसा हो सकता है। लोगों ने मांग की है कि ओवरब्रिज पर फैली गिट्टी को तुरंत हटाया जाए और ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

गलेशेरा गांव में पेसा नियमावली के तहत ग्रामसभा आयोजित

संवाददाता

सिमडेगा/ठेठईटांगर : प्रखंड ठेठईटांगर अंतर्गत पंचायत पाईकपारा के गलेशेरा गांव में पेसा नियमावली 2025 के तहत ग्रामसभा का आयोजन किया गया। यह बैठक झारखंड सरकार, पंचायती राज विभाग द्वारा जारी निर्देश पत्र संख्या 01-स्था0 (वि0)10/2026/ 803, 804, 1137 के आलोक में आयोजित हुई। उक्त निर्देश के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभाओं को विभिन्न प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित करने का अधिकार प्रदान किया गया है। यह प्रक्रिया 16 मार्च 2026 से 25 अप्रैल 2026 तक निर्धारित समय सीमा के भीतर संपन्न की जानी है।
ग्रामसभा में उपस्थित अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों द्वारा सर्वसम्मति से ग्रामसभा की संरचना से संबंधित प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में महिलाओं एवं पुरुषों की एक-तिहाई अनिवार्य उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए कोरम पूरा किया गया।
ग्रामसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए अनूप मिंज को ग्राम प्रधान, संगीत बाः को सहायक सचिव एवं लीली ग्रेस लकड़ा को कोषाध्यक्ष के रूप में नामित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही ग्रामसभा में महिला एवं पुरुषों की न्यूनतम एक-तिहाई उपस्थिति को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।
इस अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष सह ढएरअ रछटळ, अमृत चिराग तिर्की, ढएरअ रछटळ सह अधिवक्ता नॉरबर्ट बाः, अलेक्स जॉनसन केरकेट्टा एवं जॉन कुल्लू मुख्य रूप से सलाहकार के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि झारखंड सरकार, पंचायती राज विभाग द्वारा जारी निर्देश के तहत ग्रामसभाओं को सशक्त बनाते हुए उन्हें महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करने का अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल 16 मार्च 2026 से 25 अप्रैल 2026 के बीच लागू की जा रही है, जिसका उद्देश्य आदिवासी समाज को उनके जल, जंगल और जमीन पर अधिकार सुनिश्चित करना है। उन्होंने आगे कहा कि उनका प्रयास सिमडेगा जिले के सभी 451 ग्रामसभाओं तक पहुंचकर उन्हें जागरूक करने एवं हर संभव सहयोग प्रदान करने का है, ताकि प्रत्येक ग्रामसभा सशक्त बनकर अपने अधिकारों का प्रभावी उपयोग कर सके। वहीं, नॉरबर्ट बाः ने कहा कि पेसा नियमावली ग्रामसभा को कानूनी रूप से मजबूत बनाती है और इसका सही क्रियान्वयन ही गांव के समग्र विकास की कुंजी है।
अलेक्स जॉनसन केरकेट्टा ने कहा कि ग्रामसभा के माध्यम से ही स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है, इसलिए सभी ग्रामीणों को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।बैठक में ग्रामसभा के वित्तीय संचालन को सुचारू रूप से चलाने हेतु पोस्ट ऑफिस बैंक शाखा सिमडेगा में ग्रामसभा के नाम से खाता खोलने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। साथ ही ग्रामसभा के प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न स्थानीय समितियों के गठन का प्रस्ताव रखा गया, जिसे अगली ग्रामसभा बैठक में पारित करने का निर्णय लिया गया।